mediaauditornews@gmail.com Epaper.dainikmediaauditor.in वर्ष-30 अंक-172 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
23 जून 2026 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

बंगाल- पूर्व टीएमसी विधायक पर लोगों ने अंडे फेंके

थाने के बाहर चोर-चोर के नारे लगे ; पुलिस कर्नाटक से पकड़कर हुगली लाई थी

हुगली,एजेंसी। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में पूर्व टीएमसी विधायक रामेंदु सिन्हा राय के खिलाफ लोगों का गुस्सा देखने को मिला। जैसे ही पुलिस उन्हें धानियाखाली थाने लेकर पहुंची, बाहर मौजूद लोगों ने चोर-चोर के नारे लगाने शुरू कर दिए। कुछ लोगों ने उनपर अंडे भी फेंके। रामेंदु सिन्हा राय तारकेश्वर विधानसभा सीट से विधायक रह चुके हैं। पुलिस उन्हें कर्नाटक के बेलगावी से पकड़कर ट्रांजिट रिमांड पर हुगली लाई है। पूर्व विधायक पर सरकारी राहत सामग्री चुराने और विरोध करने पर हथियार दिखाकर धमकाने का आरोप है। बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद टीएमसी नेताओं के खिलाफ विरोध का यह छठा मामला है। राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद टीएमसी नेताओं को लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा है। कई नेता गिरफ्तार भी हुए हैं।

पाकिस्तान के लिए जासूसी मामले में गिरफ्तार मुश्ताक की पुलिस रिमांड तीन दिन बढ़ी

जयपुर,एजेंसी। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार मुश्ताक को सोमवार को पांच दिन की पुलिस रिमांड पूरी होने के बाद अपर वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रमांक-3 जयपुर महानगर-प्रथम की अदालत में पेश किया गया। जहां सुनवाई के दौरान सीआईडी इंटेलिजेंस ने उससे आगे की पूछताछ के लिए तीन दिन की अतिरिक्त पुलिस रिमांड मांगी, जिसे न्यायालय ने मंजूर कर लिया। अब उसे 25 जून को पुन : अदालत में पेश किया जाएगा। सीआईडी इंटेलिजेंस के विशेष लोक अभियोजक सुदेश सत्वान ने बताया कि जांच के दौरान आरोपित के कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर), बैंक खातों और वित्तीय लेन-देन की गहन पड़ताल की जानी है। पूछताछ में कुछ संदिग्ध व्यक्तियों के नाम भी सामने आए हैं, जिन्हें सुरक्षा एजेंसियों ने चिन्हित कर लिया है। हालांकि जांच के हित में उनकी पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। जांच एजेंसियों के अनुसार पांच दिन की रिमांड के दौरान आरोपित को उन स्थानों पर भी ले जाया गया, जहां से उसने कथित रूप से फोटो और वीडियो बनाए थे। इन स्थानों पर मौके का निरीक्षण कर यह जानने का प्रयास किया गया कि उसे स्थानीय स्तर पर किन लोगों का सहयोग प्राप्त था। सुरक्षा एजेंसियां उसके संभावित सहयोगियों की भूमिका की भी जांच कर रही हैं।

अमोनिया गैस रिसाव हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर पांच हुई, विधानसभा में विपक्ष का हंगामा

चेन्नई,एजेंसी। तमिलनाडु के तिरुवल्लुवर जिले में अमोनिया गैस रिसाव हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है। राज्य के श्रम कल्याण मंत्री जे मोहम्मद फरवास ने सोमवार को विधानसभा में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मृत श्रमिकों के पार्थिव शरीर उनके गृह राज्य भेजने की व्यवस्था की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, 21 जून को दो महिला श्रमिकों की मौत हुई थी, जबकि सोमवार सुबह तीन अन्य प्रवासी महिला श्रमिकों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इसके साथ ही इस हादसे में मृतकों की संख्या पांच हो गई है।

नेतन्याहू बोले- ट्रम्प के इशारों पर काम नहीं करता

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि लोग यह समझते हैं कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कहने पर काम करते हैं, लेकिन यह सच नहीं है। यरुशलम में आयोजित एक समिट में बोलते हुए नेतन्याहू ने कहा, 'अमेरिका में लोग कहते हैं कि राष्ट्रपति ट्रम्प वही करते हैं जो मैं उनसे कहता हूं। वहीं इजराइल में कुछ लोग सोचते हैं कि मैं वही करता हूं जो ट्रम्प चाहते हैं।

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना,एजेंसी। देश में मानसून की बारिश के रिकॉर्ड के 126 साल के इतिहास में दूसरा सबसे सूखा जून बीत रहा है। 21 जून तक 57.4 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य से 42.2% कम है। इससे पहले 2009 में पूरे जून में कोटे से 49% कम बारिश रिकॉर्ड हुई थी। इससे मध्य और उत्तर-पश्चिम भारत में खेती पर बुरा असर पड़ा था।

हालांकि, मानसून दो हफ्ते बाद अब आगे बढ़ सकता है। बंगाल की खाड़ी में एक सिस्टम बना है, जो मानसून को छत्तीसगढ़ तक पहुंचाएगा।

रविवार को मेघालय के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हुई। खासी हिल्स जिले के मॉसिनराम में 24 घंटे में 530 मिमी बारिश दर्ज की गई। यानी एक रात में यहां जितनी बारिश हुई, उतनी जोधपुर-बीकानेर में 6 महीने में होती है।

राजस्थान के श्रीगंगानगर में रविवार को ओले गिरे। वहीं, एमपी के 5 जिलों में आज हीटवेव का अलर्ट है। उत्तर प्रदेश के 38 जिलों में लू चल सकती है।

देश में इतिहास का दूसरा सबसे सूखा जून बीत रहा

सामान्य से 42% कम बारिश; राजस्थान में ओले गिरे, एमपी-यूपी में हीटवेव का अलर्ट

गर्मी से जूझ रहे 8 राज्य, विदर्भ में रात में भी लू चल रही : उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ के कुछ इलाकों में तापमान 40-42डिग्री के बीच है। तेलंगाना, बिहार, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, ओडिशा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कुछ अलग-अलग इलाकों में भी तापमान इसी रेंज में है। विदर्भ के 8 जिलों में लगातार गर्मी के कारण रातें भी गर्म हो रही हैं। यहां रात में लू चलने का अलर्ट जारी किया गया है।इधर, उत्तर प्रदेश का बांदा लगातार दूसरे दिन देश में सबसे गर्म रहा। यहां पारा 42.6 रिकॉर्ड किया गया।

थरूर बोले- जम्मू-कश्मीर की स्थिति में सुधार:वहां मुझे पॉजिटिव महसूस हुआ

- **कांग्रेस में नाराजगी, कहा- लोगों से मिलकर जमीनी हकीकत समझते**

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर अपने बयान के कारण एक बार फिर अपनी ही पार्टी के निशाने पर आ गए हैं। दरअसल, थरूर ने 21 जून को श्रीनगर दौरे के दौरान जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की।

इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा- हमने जम्मू-कश्मीर की स्थिति और हालात में आ रहे सुधार पर बात की। चुनौतियां अभी भी हैं, लेकिन इस दौरे के बाद मुझे पहले से ज्यादा पॉजिटिव महसूस हुआ।

थरूर बोले- कश्मीर में पर्यटन की अपार संभावनाएं

थरूर 20 जून को श्रीनगर नालंदा डायलॉग नाम के एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। उन्होंने X पर तस्वीरें शेयर करते हुए कहा कि यहां पर्यटन क्षेत्र में रोजगार और आर्थिक विकास की बड़ी संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि पहलगाम त्रासदी के एक साल बाद अब कश्मीर में पर्यटन को फिर से रफ्तार देने का समय आ गया है।

विशेष दर्जा खत्म करने का विरोध करती रही है कांग्रेस

थरूर का बयान ऐसे समय में आया है जब कांग्रेस लगातार केंद्र सरकार पर जम्मू-कश्मीर में हालात सामान्य नहीं कर पाने का आरोप लगाती रही है। साथ ही पार्टी विशेष राज्य का दर्जा खत्म कर जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बनाने का विरोध करती आई है। वहीं भाजपा ने थरूर के बयान का समर्थन करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा। पार्टी प्रवक्ता अभिजीत जसरोटिया ने कहा कि आर्टिकल 370 हटने के बाद पत्थरबाजी की घटनाएं लगभग खत्म हो गई हैं और सरकारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 18 महीनों में कोई भी कश्मीरी युवा आतंकवादी संगठनों में शामिल नहीं हुआ है।

कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी रहा

जंतर-मंतर पर मोमबत्तियां लेकर आने की अपील; कहा- देशभर के किसान भी आंदोलन में शामिल हों

नई दिल्ली,एजेंसी। नीट पेपर लीक के विरोध में कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) का जंतर-मंतर पर प्रदर्शन सोमवार को तीसरे दिन भी जारी है। प्रदर्शनकारी शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन का नेतृत्व CJP फाउंडर अभिजीत दीपके और उनके समर्थक कर रहे हैं। CJP ने NEET पेपर लीक में सुसाइड करने वाले छात्रों को श्रद्धांजलि देने के लिए आज शाम 5:30 बजे प्रदर्शनकारियों से जंतर-मंतर पर मोमबत्तियां लेकर आने की अपील की। उन्होंने वीडियो जारी करते हुए कहा कि हजारों लोग जंतर-मंतर पर आ रहे हैं और यह प्रदर्शन धीरे-धीरे मजबूत हो रहा है। पुलिस से डरने की कोई जरूरत नहीं है, वे हमारे साथ हैं। इससे पहले दीपके ने रविवार को कहा था कि जब किसान अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे थे, तब छात्रों ने उनका साथ दिया था। अब छात्रों को किसानों की जरूरत है। उन्होंने देशभर के किसानों से जंतर-मंतर पहुंचकर आंदोलन में शामिल होने की अपील की।

दीपके बोले- मदद करने वालों से पता पूछ रही पुलिस : अभिजीत ने रविवार को पुलिस पर आरोप लगाया कि वह उन लोगों से आधार कार्ड मांग रही है या उनका पता पूछ रही है जो प्रदर्शनकारियों को खाने-पीने या किसी और तरीके से मदद कर रहे हैं। रविवार को कई लोग प्रदर्शनकारियों के लिए फल और जूस लेकर पहुंचे।

पिकअप वाहन ट्रक से टकराया, 5 मजदूरों की मौत

पोटली में समेटने पड़े टुकड़े; गाड़ी के भी परखच्चे उड़े

छिंदवाड़ा,एजेंसी। छिंदवाड़ा-बैतूल नेशनल हाईवे पर एक पिकअप वाहन की सामने से आ रहे ट्रक से जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में 5 लोगों की मौत हुई है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार मजदूर दूर जा गिरे। हादसा सोमवार सुबह करीब 10 बजे टेमनी खुर्द के पास हुआ।

मृतकों में 3 महिलाएं और 2 पुरुष शामिल हैं। केवल एक मृतक की पहचान हो पाई है, जबकि 4 शव अभी अज्ञात हैं। जिला अस्पताल में अब तक 20 घायल लाए जा चुके हैं। इनमें एक गंभीर रूप से घायल है, जिसे मेडिकल कॉलेज, नागपुर रेफर किया जाएगा।

पुलिस और प्रशासन के अधिकारी अस्पताल में मौजूद हैं। 20 से 25 डॉक्टर घायलों के उपचार में जुटे हैं। सर्जिकल आईसीयू में 3 मरीज भर्ती हैं। ऑर्थोपेडिक्स विभाग में 4 मरीज भर्ती हैं, जबकि 3 घायलों का ओटी में इलाज चल रहा है।

सभी मजदूर मछैरा के रहने वाले हैं। हादसे में मृत सावित्री वनके (31) के पति सुरेश सिंह ने बताया कि सभी लोग सब्जी तोड़ने सुबह 9 बजे कन्हरगांव के लिए निकल रहे थे। पिकअप मजदूरों को लेने के लिए खड़ा था। पीछे से यूरिया से भरा ट्रक आ रहा था, जिसने पिकअप को टक्कर मार दी। पिकअप में 20-25 मजदूर थे।

5 लोगों की हड्डियां टूटीं, बाकी के सिर पर चोट : स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस टीम और एम्बुलेंस मौके पर पहुंचीं। ADM धीरेंद्र सिंह भी अस्पताल पहुंचे।

16 साल के लड़के ने भाई-भाभी, भतीजे की हत्या की

रोते हुए पुलिस से बोला- 2 दिन से खाना नहीं दिया था, जेल में खाना तो मिलेगा

गोरखपुर,एजेंसी। यूपी के गोरखपुर में 16 साल के लड़के ने बड़े भाई, भाभी और 3 साल के भतीजे की सोते वक्त हत्या कर दी। 9 साल की भतीजी ने उसे हत्या करते देख लिया और चिल्लाते हुए कमरे से बाहर भागी। चीख सुनकर माता-पिता की नींद खुल गई। पिता बड़े बेटे के कमरे में गए, जहां तीनों की लाश पड़ी हुई थीं। छोटा बेटा खून से सना गड़ासा लेकर कमरे से बाहर निकल रहा था। यह देखकर बीमार पिता कांप गए। आरोपी ऊपर वाली मंजिल पर जाकर चुपचाप बैठ गया। थोड़ी देर बाद पिता ने खुद को संभाला। पड़ोसियों और पुलिस को सूचना दी। एसएसपी और एसपी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पहले लाशें देखीं। पिता ने उन्हें बताया कि छोटे बेटे ने ही हत्या की है। बोला- भाभी ने दो दिन से खाना नहीं दिया था, इसलिए हत्या कर दी।

री-नीट: लखीसराय में कैंडिडेट्स की जगह बैठे सॉल्वर, 40 लाख में डील

5 मेडिकल छात्र समेत 24 गिरफ्तार, एक पीएमसीएच का स्टूडेंट

लखीसराय,एजेंसी। 3 मई को पेपर लीक होने के बाद रविवार को NEET-UG 2026 की दोबारा परीक्षा हुई। इस दौरान बिहार के लखीसराय में एक बड़े सॉल्वर गैंग का पर्दाफाश हुआ। पुलिस की जांच में सामने आया है कि असली परीक्षार्थियों की जगह परीक्षा देने के लिए मेडिकल छात्रों ने 30 से 40 लाख रुपए में सौदा तय किया था। पुलिस ने इस मामले में गैंग के सरगना समेत PMCH, गया मेडिकल कॉलेज, AIIMS रायबरेली और BHU के मेडिकल छात्रों सहित कुल 24 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में बायोमेट्रिक जांच करने वाली कंपनी के 14 कर्मचारी भी शामिल हैं।

पुलिस ने राजकीय उच्च विद्यालय हसनपुर, KRK हायर सेकेंडरी स्कूल और केंद्रीय विद्यालय परीक्षा केंद्रों पर छापेमारी कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया है। लखीसराय SP प्रेरणा के अनुसार, आरोपियों के पास से मोबाइल फोन और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

अर्पित राज से 2024 में भी CBI कर चुकी है पूछताछ : लखीसराय में गिरफ्तार सॉल्वर गैंग के सरगना अर्पित राज से पहले भी केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) पूछताछ कर चुकी है। अर्पित का नाम पहले भी NEET परीक्षा से जुड़े मामलों में सामने आ चुका है। 2024 में NEET पेपर लीक मामले की जांच के दौरान CBI ने उससे कई बार पूछताछ की थी।

लखीसराय के 9 'मुन्ना भाई' अरेस्ट

लखीसराय में NEET (UG) री-एग्जामिनेशन के दौरान सॉल्वर गैंग के सक्रिय होने की आशंका पर पुलिस और प्रशासन ने 9 संदिग्ध 'मुन्ना भाइयों' को अरेस्ट किया है। सूत्रों के अनुसार, KRK विद्यालय परीक्षा केंद्र से 1, केंद्रीय विद्यालय से 7 और हसनपुर विद्यालय से 1 संदिग्ध को पकड़ा गया है। हिरासत में लिए गए सभी युवक लखीसराय के रहने वाले बताए जा रहे हैं। जांच में सामने आया कि हाजीपुर निवासी मयंक, जो PMCH का मेडिकल छात्र है, बायोमेट्रिक जांच करने वाली कंपनी के कर्मचारियों से मिलीभगत कर खुद कर्मचारी बनकर हसनपुर परीक्षा केंद्र में घुस गया था। हालांकि, पुलिस ने उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।

बंगाल में भाजपा सरकार का पहला बजट:

मदरसों को मिलने वाली रकम आधी हुई, महिलाओं को नौकरी में 33% आरक्षण

सरकारी कर्मचारियों का डीए 38% हुआ

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री स्वप्न दासगुप्ता ने सोमवार को भाजपा सरकार का पहला बजट पेश किया। बजट में कहा गया कि सरकार 1 लाख से ज्यादा सरकारी पदों को भरेगी और इसमें महिलाओं को 33% आरक्षण दिया जाएगा।

अल्पसंख्यक कल्याण और मदरसा विभाग के लिए फंड 5,713 करोड़ से घटाकर 2,165.42 करोड़ कर दिया। वित्त मंत्री ने बताया कि 4 लाख 30 हजार करोड़ के बजट में पूर्व सीएम ममता बनर्जी के समय शुरू हुई सभी सामाजिक कल्याण योजनाओं (जैसे- अन्नपूर्णा योजना और महिलाओं के लिए फ्री बस यात्रा) को जारी रखा जाएगा।

सरकारी कर्मचारियों का महंगाई भत्ता (DA) बढ़ाकर 38% कर दिया गया है। वहीं, कोलकाता में एक नए एयरपोर्ट बनने की भी घोषणा की गई है।

सरकारी कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाया : स्वप्नदास गुप्ता ने कहा कि राज्य सरकार के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) और पेंशनभोगियों को मिलने वाली महंगाई राहत में वृद्धि एक अक्टूबर से प्रभावी होगी और कुल डीए 38 प्रतिशत हो जाएगा. नई सरकार के रोजगार लक्ष्यों का उल्लेख करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि सरकारी विभागों में एक लाख रिक्तियों को चरणबद्ध तरीके से भरा जाएगा, जिनमें एक-तिहाई पद महिलाओं के लिए आरक्षित होंगे ।

अन्नपूर्णा योजना के लिए 36,000 करोड़

उन्होंने कहा कि सभी मौजूदा सामाजिक कल्याण योजनाओं को जारी रखा जाएगा. उन्होंने अन्नपूर्णा योजना के लिए 36,000 करोड़ रुपये आवंटित किए. महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा प्रदान करने के लिए 550 करोड़ रुपये की घोषणा करते हुए कहा कि इस योजना को सुगम बनाने के लिए जल्द ही 'पिंक कार्ड' प्रणाली शुरू की जाएगी.

डीके-डीके के नारे लगे तो खड़गे भड़के

कर्नाटक सीएम के समर्थकों से कहा- तुम लोग बेकार हो, यहां किसी नेता की पूजा नहीं होती

बेंगलुरु,एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे रविवार को बेंगलुरु में एक कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं पर नाराज हो गए। कार्यक्रम के दौरान कुछ कार्यकर्ता कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के समर्थन में 'डीके-डीके' के नारे लगाने लगे। इसके बाद खड़गे ने मंच से ही उन्हें फटकार लगा दी।

खड़गे ने कहा- तुम लोग बेकार हो। यह किसी एक व्यक्ति का कार्यक्रम नहीं, कांग्रेस का कार्यक्रम है। यहां किसी नेता की पूजा नहीं होती। हम सभी पार्टी को मजबूत करने के लिए इकट्ठा हुए हैं। घटना कांग्रेस के नए प्रदेश अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद के पदभार ग्रहण समारोह में हुई। नारेबाजी बढ़ने पर खड़गे ने कार्यकर्ताओं को शांत रहने को कहा।

खड़गे ने कहा- पार्टी सबसे ऊपर, नेता बाद में : मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि पार्टी सबसे ऊपर है। नेताओं की पहचान भी पार्टी से ही बनती है। अगर हर ग्रुप अपने पसंदीदा नेता के नारे लगाने लगे, तो कार्यक्रम का उद्देश्य ही खत्म हो जाएगा।

उन्होंने अपने 58 साल के राजनीतिक अनुभव का जिक्र करते हुए कहा कि कई नेताओं का योगदान छोटा रहा होगा, लेकिन पार्टी ने उन्हें बहुत कुछ दिया है।

फुटेज देखकर कार्रवाई की चेतावनी

खड़गे ने कार्यकर्ताओं को चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की पूरी रिकॉर्डिंग मौजूद है और फुटेज देखने के बाद कार्रवाई की जाएगी। अनुशासन जरूरी है। जो लोग यहां नारेबाजी कर रहे हैं, उनकी फुटेज मौजूद है। मैं उसे देखकर कार्रवाई करूंगा। कार्यक्रम के दौरान डीके शिवकुमार भी कार्यकर्ताओं को शांत कराने की कोशिश करते नजर आए। उन्होंने खड़े होकर समर्थकों से बैठने और नारेबाजी बंद करने का इशारा किया।

राम मंदिर के चंदे पर भी सवाल उठाए : खड़गे ने अयोध्या के राम मंदिर में मिले चंदे को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि मंदिर के लिए जुटाए गए फंड में से करीब 5,000 करोड़ रुपए की गड़बड़ी हुई है।

बंगाल में बदला मौसम, कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

कोलकाता, एजेंसी। भीषण गर्मी और उमस भरे मौसम के बीच आखिरकार पश्चिम बंगाल में राहत की बारिश शुरू हो गई है। सप्ताहांत में कोलकाता समेत दक्षिण बंगाल के कई जिलों में प्री-मानसून बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। वहीं कई जिलों में भारी से अति भारी बारिश की संभावना को देखते हुए भारतीय मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण बंगाल के अधिकांश जिलों में अगले 24 से 48 घंटों के दौरान बादल छाए रहने, गरज-चमक के साथ मध्यम से भारी बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है। विशेष रूप से हुगली, दक्षिण 24 परगना, पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर तथा पूर्व बर्धमान जिलों में अति भारी बारिश को लेकर रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। पश्चिम मेदिनीपुर, बांकुड़ा, और झाड़ग्राम में सोमवार भोर से ही रुक रुक कर बारिश हो रही है। इधर कोलकाता में शनिवार रात से रुक-रुक कर हो रही बारिश के कारण तापमान में गिरावट आई है। हालांकि शहर के कुछ निचले इलाकों में जलजमाव की समस्या देखी गई, लेकिन कई दिनों से जारी उमस और गर्मी से लोगों को राहत मिली है। दूसरी ओर उत्तर बंगाल में भी बारिश का दौर जारी है। जलपाईगुड़ी और अलीपुरद्वार में 200 मिलीमीटर से अधिक बारिश की संभावना के चलते रेड अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा दार्जिलिंग, कालिम्पोंग और कूचबिहार में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन, नदियों के जलस्तर बढ़ने और निचले इलाकों में जलभराव का खतरा बना हुआ है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अगले कुछ दिनों तक पूरे पश्चिम बंगाल में मानसून सक्रिय रहेगा और तापमान सामान्य से दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक नीचे जा सकता है।

कांग्रेस की अंदरूनी दंगल से मचा हड़कंप आपस में भिड़े शशि थरूर और पवन खेड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता शशि थरूर एक बार फिर अपनी ही पार्टी के अंदर से आलोचनाओं के घेरे में आ गए हैं। पीएम मोदी की तारीफ करने पर उन्हें कांग्रेस नेताओं की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब थरूर ने कश्मीर में हालात सामान्य करने की दिशा में हो रही सकारात्मक प्रगति पर टिप्पणी की। शशि थरूर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत के दौरान भारतीय नागरिक नाविकों पर हुए हमलों का मुद्दा उठाया था। उन्होंने इस मामले में स्थितियों को संभालने के तरीके की तारी की थी। उन्होंने कहा था कि पीएम मोदी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ सार्वजनिक और निजी, दोनों तरह की बैठकों में अपनी बात स्पष्ट रूप से रखी। पीएम मोदी ने यह संदेश दिया कि युद्ध के समय, कमर्शियल जहाजों पर मौजूद नागरिक नाविक लड़ाई का निशाना नहीं बनाना चाहिए। वे सैनिक नहीं हैं।

पवन खेड़ा ने शशि थरूर पर साधा निशाना: उनके इस बयान पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने उन्हें खरी-खोटी सुना दी। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि 'ऐसा प्रतीत होता है कि मेरे वरिष्ठ सहयोगी डॉ. शशि थरूर की पीएम मोदी के प्रति प्रशंसा भौतिक दुनिया की सीमाओं को पार कर गई है। ऐसा लगता है कि अब वह वह भी सुनने में सक्षम हैं जो मोदी नहीं कहते। ब्7 के इतर मोदी-ट्रम्प बैठक के विदेश मंत्रालय के आधिकारिक विवरण के अनुसारः ओमान की खाड़ी में संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा तीन भारतीय नाविकों की नृशंस हत्या का कोई उल्लेख नहीं है। ऑपरेशन सिन्दूर के बाद यह पहली मोदी-ट्रम्प बैठक थी, फिर भी इस बात का कोई संकेत नहीं है कि मोदी ने ट्रम्प के बार-बार किए गए दावे को चुनौती दी है, जो अब 120 से अधिक बार किया जा चुका है कि उन्होंने भारत को व्यापार परिणामों की धमकी देकर युद्धविराम हासिल किया। मिलन-2026 के दौरान भारत के अतिथि ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस देना पर हमले का कोई उल्लेख नहीं है, जो प्रभावी रूप से भारत का रणनीतिक पिछवाड़ा है। और फिर भी, शशि थरूर ने किसी तरह जोरदार दावे, जोरदार जवाबी कार्रवाई और समझौता न करने वाली कूटनीति सुनी, जो कभी भी आधिकारिक रिकॉर्ड में नहीं आई। शायद हममें से बाकी लोग सामान्य मानवीय संवेदनाओं से विवश हैं। 'महामानव मोदी' के भक्तों के लिए, वे जितना कम कहते हैं, उतना ही अधिक सुनते हैं।

शशि थरूर ने जताई हैरानी: पवन खेड़ा के इस बयान के बाद शशि थरूर ने हैरानी जताई। उन्होंने इसका जवाब देते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'सच कहूं तो, मुझे यह बात बहुत अजीब लगती है कि भारतीय नागरिक नाविकों की सुरक्षा से जुड़े बयान को एक राजनीतिक विवाद का रूप दिया जा रहा है। तीन भारतीयों की जान चली गई।

दिल्ली से नोएडा एयरपोर्ट जाने के लिए नया रूट बनेगा नया 8 लेन एक्सप्रेसवे, किसे मिलेगा सबसे बड़ा फायदा

नोएडा, एजेंसी। दिल्ली बॉर्डर से यमुना नदी के किनारे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक अब सीधा, तेज और जाम-मुक्त रास्ता बनने जा रहा है। नोएडा डीएनडी फ्लाईवे से शुरू होकर यमुना तटबंध के समांतर 8 लेन का एलिवेटेड एक्सप्रेसवे बनेगा, जो घरबरा (गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी) तक जाएगा और यमुना एक्सप्रेसवे से जुड़कर एयरपोर्ट कनेक्टिविटी पूरी करेगा। सिंचाई विभाग की आपत्ति के बाद बदला प्लानपहले योजना यमुना तटबंध पर ही सड़क बनाने की थी, लेकिन उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग ने नहीं दी। विभाग की आपत्ति के बाद अब नया प्लान तैयार किया गया है। बांध पर सड़क बनाने के बजाय उसके समांतर (पैरेलल) एलिवेटेड एक्सप्रेसवे बनाया जाएगा। इसकी लंबाई करीब 35.1 किलोमीटर होगी।भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण इस परियोजना को करेगा। इसमें 8 लेन का नया एलिवेटेड स्ट्रक्चर बनेगा, जिसमें 2 लेन मौजूदा रोड से जुड़ेंगी।

रूट की रूपरेखा

शुरुआतः नोएडा डीएनडी फ्लाईवे (टोल प्लाजा के पास)

मार्गः यमुना तटबंध के समांतर

मुख्य पॉइंट्सः चिल्ला रेगुलेटर, सेक्टर-94 क्षेत्र, मयूर विहार लिंक

अंतिम छोरः गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी के पास घरबरा गांव

आगे कनेक्शनः यमुना एक्सप्रेसवे (आगरा-ग्रेटर नोएडा)

चिल्ला-मयूर विहार बनेगा बड़ा कनेक्टिविटी हबः महत्वपूर्ण परियोजनाएं, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और दिल्ली-सहारनपुर एक्सप्रेसवे अक्षरधाम क्षेत्र से गुजर रही हैं।

इनकी लिंक लाइन मयूर विहार के रास्ते चिल्ला एलिवेटेड रोड से जुड़ेगी।

डीएनडी फ्लाईवे अब तीन बड़े हाईवे का प्रमुख जंक्शन बनने जा रहा है।

दिल्ली-सहारनपुर एक्सप्रेसवेः प्रस्तावित यमुना किनारे एलिवेटेड एक्सप्रेसवे (यमुना एक्सप्रेसवे को जोड़ने वाला) इसलिए इस परियोजना को अपने पास ले लिया है ताकि यातायात को सुगमता से यमुना एक्सप्रेसवे तक पहुंचाया जा सके।

किसे मिलेगा सबसे बड़ा फायदा

नोएडा-ग्रेटर नोएडा के निवासियों को एयरपोर्ट जाने में काफी समय बचेगा। फरीदाबाद, बदरपुर, पूर्वी दिल्ली और दक्षिण दिल्ली के लोगों को नोएडा शहर में घुसे बिना सीधा एयरपोर्ट पहुंचने का रास्ता मिलेगा। आगरा, मथुरा, कानपुर, लखनऊ, ग्वालियर, झांसी जाने वाले वाहन चालक नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे के जाम से बच सकेंगे। एलिवेटेड रोड पर ब्रेक लगाए बिना सीधा यमुना एक्सप्रेसवे पर पहुंच जाएंगे।

पहले क्या था प्लानः नोएडा के ओखला बैराज से ग्रेटर नोएडा के घरबरा तक यमुना तटबंध पर ही सीधी सड़क बनाने की योजना थी। घरबरा से एयरपोर्ट तक कनेक्टिविटी जोड़नी थी, लेकिन सिंचाई विभाग की अनुमति न मिलने से योजना अटक गई थी। अब एलिवेटेड स्ट्रक्चर के साथ समस्या का समाधान हो गया है। पहले ही इस रूट की फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करा चुका है। परियोजना के पूरा होने के बाद दिल्ली-एनसीआर से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी काफी मजबूत हो जाएगी। यह एलिवेटेड एक्सप्रेसवे न सिर्फ यात्रा समय घटाएगा बल्कि क्षेत्रीय ट्रैफिक को भी व्यवस्थित करेगा।

फिर एक्टिव हुआ मानसूनः मुंबई में झमाझम बारिश

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में लंबे समय से भीषण गर्मी और उमस का सामना कर रहे लोगों को आखिरकार राहत मिल गई है, क्योंकि रविवार सुबह शहर के कई इलाकों में सीजन की पहली अच्छी बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में मानसून दक्षिण कोंकण तक पहुंच गया था, लेकिन वह पिछले कुछ दिनों से सोलापुर के पास रुका हुआ था। अब पश्चिमी घाट में बनने वाले बादलों की वजह से मुंबई और इसके आसपास के इलाकों में बारिश की गतिविधियां तेज हुई हैं, और उम्मीद जताई जा रही है कि अगले एक-दो दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों और आगे के राज्यों में बढ़ने के लिए पूरी तरह अनुकूल हो जाएगा।

कई राज्यों में आगे बढ़ा मानसूनः देशभर में मानसून की रफ्तार की बात करें तो यह पिछले 15 दिनों में करीब 19 राज्यों तक पहुंच चुका है, लेकिन फिलहाल यह

यूपी-बिहार समेत 8 राज्यों को कब मिलेगी राहत

उत्तर प्रदेश और बिहार के बॉर्डर पर स्थित महराजगंज के पास पिछले नौ दिनों से थमा हुआ है। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि अनुकूल सिस्टम एक्टिव होने के कारण 23 जून के आसपास यह रुकावट दूर होगी और मानसून ओडिशा, झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ जाएगा। हालांकि, देश की राजधानी दिल्ली को मानसून के दीदार के लिए जुलाई के पहले हफ्ते तक का इंतजार करना पड़ सकता है, जो आमतौर पर 27 जून के आसपास यहां दस्तक दे देता है।

पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश का अलर्टः एक तरफ जहां देश के कई हिस्सों में मानसून और प्री-मानसून की वजह से मौसम का मिजाज बदला है, वहीं पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की गई है। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम जैसे राज्यों के लिए मौसम विभाग ने भारी बारिश का रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसके चलते वहां के कई जिलों में तेज आंधी के साथ मूसलाधार बारिश हो रही है। इसके साथ ही दक्षिण भारत के राज्यों जैसे केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना में भी अगले दो दिनों के भीतर भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है।

आठ राज्यों में अब भी भीषण गर्मी का प्रकोप

इसके विपरीत, देश के करीब आठ राज्यों में अभी भी भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है, जहां प्री-मानसून एक्टिविटी होने के बावजूद तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार बना हुआ है। उत्तर प्रदेश का बांदा शहर 44.2 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ देश का सबसे गर्म स्थान रहा, जबकि प्रयागराज, खजुराहो और ब्रह्मपुरी जैसे शहरों में भी पारा 42 से 43 डिग्री के आसपास रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के मुताबिक, अगले दो दिनों तक पूर्वी उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र का विदर्भ इलाका गंभीर हीटवेव की चपेट में रहेगा।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जयपुर को दी 205 करोड़ की सौगात मेगा कोचिंग टर्मिनल का लोकार्पण

जयपुर, एजेंसी। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को जयपुर के खातीपुरा रेलवे स्टेशन पर 205 करोड़ रुपये की लागत से तैयार अत्याधुनिक मेगा कोचिंग टर्मिनल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने जयपुर-दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नई ट्रेन में आठ स्लीपर और एक सामान्य कोच लगाए गए हैं, जिससे राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार के यात्रियों को सुविधा मिलेगी। रेल मंत्री ने बताया कि मेगा कोचिंग टर्मिनल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित निरीक्षण प्रणाली और आधुनिक रखरखाव सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे रेलों के रखरखाव की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

ईरान कब तक बंद रखेगा होर्मुज लेबनान-तेल बिक्री को लेकर छूट पर फंसा पेच इस्राइल रुकने को नहीं तैयार

होर्मुज अभी बंद है

बर्गेनस्टॉक/तेहरान/दुबई, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच अंतरिम समझौते को स्थायी युद्धविराम के रूप में बदलने के लिए स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक शहर में बातचीत शुरू हो गई है। लेकिन उससे पहले, लेबनान के मसले पर पेच फंसता दिख रहा है। ईरान ने साफ किया है कि जब तक लेबनान में युद्धविराम लागू नहीं होता और ईरानी तेल की बिक्री के लिए छूट जारी नहीं दी जाती, होर्मुज जलडमरूमध्य बंद रहेगा। इस्राइल ने स्पष्ट कर दिया है कि लेबनान में खतरों को खत्म करने के लिए उसके सैनिकों पर कोई रोक नहीं है। वहीं, अमेरिका का दावा है कि होर्मुज खुला हुआ है और जहाज उसके रास्ते आ-जा रहे हैं। ईरान की दो सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम और फार्स न्यूज ने रविवार को सैन्य सूत्रों के हवाले से बताया कि दुनिया के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य अभी भी बंद है। शनिवार को लेबनान पर इस्राइल के भीषण हमले के बाद ईरानी सैन्य कमान ने होर्मुज को फिर से बंद करने का एलान किया था। सैन्य सूत्रों ने बताया कि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर यानी आईआरजीसी की नौसेना अगले आदेश तक जहाजों के होर्मुज से गुजरने के लिए परमिट नहीं जारी कर रही है। एजेंसी ने यह भी कहा कि अगर इस्राइल की तरफ से आक्रामकता बढ़ी तो और भी सख्त कदम उठाए जा सकते हैं।

काट्ज बोले- लेबनान में अपनी जगह बने हुए हैं हमारे सैनिकः इस्राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने रविवार को कहा कि लेबनान में खत्म करने के लिए कार्रवाई करने को लेकर इस्राइली सैनिकों पर न कोई रोक थी और न अब है। सैनिक सुरक्षा क्षेत्र में अपनी जगह पर बने हुए हैं। शनिवार को लेबनान में इस्राइली सेना के हमले में कम से कम 20 लोग मारे गए थे, यह घटना ईरान समर्थित हिजबुल्ला के साथ हुए संघर्ष विराम के एक दिन बाद हुई थी।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री के बिगड़े बोल, सिंधु जल संधि के मुद्दे पर भारत को दी युद्ध की गीदड़भभकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। घरेलू मोर्चे पर लगातार अस्थिरता का सामना कर रही और जम्मू-कश्मीर के अपने अवैध कब्जे वाले हिस्से में निर्दोषों का खून बहाने वाली पाकिस्तान की सरकार ने सिंधु जल संधि को लेकर भारत को युद्ध की गीदड़भभकी दी है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक मीडिया चैनल से कहा, जिस पल हमें लगेगा कि हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा- और पानी हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा है- खतरे में है, हम भारत के खिलाफ युद्ध करेंगे। पक्का। बकौल ख्वाजा अगर इस्लामाबाद को ऐसे सबूत मिलते हैं कि भारत पानी की

आपूर्ति में बाधा डालने के लिए खतरनाक तेजी से काम कर रहा है, तो सैन्य कार्रवाई पर विचार किया जाएगा। आसिफ का यह बयान भारत की ओर से 1960 की सिंधु जल संधि को सख्ती से निलंबित करने और इस नदी का पानी पाकिस्तान जाने से रोकने के लिए सभी जरूरी उपाय शुरू करने के संदर्भ में आया है। भारत ने अप्रैल, 2025 में पहलगाम में पाकिस्तान के आतंकवादी हमले के जवाब में उठाया था।

अपने रुख पर अडिग है भारतः भारत अपने इस रुख पर अडिग है कि संधि तब तक निलंबित रहेगी जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवादी ढांचे को खत्म करने के लिए विश्वसनीय और ठोस कदम नहीं उठाता। विश्व बैंक की मध्यस्थता वाली संधि ऐतिहासिक रूप से पाकिस्तान को अपनी कृषि संबंधी जरूरतों के लिए सिंधु जल बेसिन के 80 प्रतिशत पानी का उपयोग करने की अनुमति देती है, लेकिन इन संसाधनों के प्रबंधन में देश की मौजूदा नाकामी ने उसके खेतों को जोखिम में डाल दिया है।

मेरे जीवन में एक भारतीय और एक पाकिस्तानी जब जेडी वेंस ने हल्का किया माहौल, इस मजाक ने बटोरीं सुर्खियां

बर्गनस्टॉक, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने स्विट्जरलैंड के बर्गनस्टॉक में एक दिलचस्प बयान दिया है। वहां इस समय अमेरिका और ईरान के बीच कूटनीतिक बातचीत चल रही है। इसी दौरान वेंस ने अपनी निजी जिंदगी और कूटनीति को मिलाकर एक मजेदार टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि उनके जीवन में दो लोग बेहद महत्वपूर्ण हैं। इनमें एक भारतीय और एक पाकिस्तानी है। उपराष्ट्रपति का यह मजाकिया अंदाज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वेंस ने बताया कि उनके जीवन में शामिल भारतीय उनकी पत्नी उषा वेंस हैं। वहीं, वह पाकिस्तानी शख्सियत कोई और नहीं बल्कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर हैं। वेंस ने यह बात बर्गनस्टॉक में मीडिया से बातचीत के दौरान कही। वहां क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए ईरानी

अधिकारियों के साथ अहम बैठकें चल रही थीं।

पाकिस्तान को लेकर वेंस ने क्या कहाः जब वेंस यह बयान दे रहे थे, तब वहां पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ मौजूद थे। उनके साथ सेना प्रमुख आसिम मुनीर भी वहीं थे। ये दोनों नेता पाकिस्तान और कतर की मध्यस्थता में चल रही इस शांति वार्ता में हिस्सा लेने स्विट्जरलैंड आए हैं। वेंस ने इस्लामाबाद के अपने पिछले दौरे को याद करते हुए यह किस्सा सुनाया।

सुर्खियों में आया वेंस का अंतरधार्मिक विवाह

इस बयान ने एक बार फिर जेडी वेंस के 12 साल पुराने अंतरधार्मिक विवाह को चर्चा में ला दिया है। उनकी पत्नी उषा वेंस भारतीय मूल की हैं। उनके माता-पिता आंध्र प्रदेश से अमेरिका जाकर बस गए थे। जेडी वेंस और उषा की मुलाकात 2010 में येल लॉ स्कूल में हुई थी। साल 2014 में उन्होंने हिंदू रीति-रिवाजों के साथ शादी की थी। उनके तीन बच्चे हैं और जल्द ही चौथे बच्चे का जन्म होने वाला है। वेंस ने एक पॉडकास्ट में अपनी मां से जुड़ा एक मजेदार किस्सा भी सुनाया था। जब उन्होंने अपनी मां को बताया कि उषा भारतीय हैं, तो उनकी मां ने सीधे पूछ लिया था, 'कौन सा कबीला?' दरअसल उनकी मां को इस संस्कृति की ज्यादा समझ नहीं थी।

वार्ता स्थल से बाहर निकला ईरानी प्रतिनिधिमंडल

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने कहा है कि स्विट्जरलैंड में तकनीकी स्तर की वार्ता शुरू होने से पहले उसकी प्रमुख शर्तों को स्वीकार कर लिया गया है। ईरान ने स्पष्ट किया था कि समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अनुच्छेद 1, 10 और 11 को लागू किए बिना तकनीकी वार्ता आगे नहीं बढ़ेगी। अब सभी पक्षों के तकनीकी बातचीत जारी रखने पर सहमत होने के बाद प्रगति के संकेत मिले हैं। ईरानी विदेश मंत्री ने दावा किया कि ईरानी तेल और पेट्रोकेमिकल निर्यात पर छूट दी गई है और नाकेबंदी हटा ली गई है। इसके अलावा ईरान की कुछ जमी हुई संपत्तियां भी जारी कर दी गई हैं और देश के पुनर्निर्माण एवं विकास के लिए नई योजना शुरू की गई है।

लेबनान में संघर्षविराम लागू होता दिखाः लेबनान के नबातियेह शहर और आसपास के इलाकों में भीषण हिंसा के बाद अब सतर्क शांति लौटती दिखाई दे रही है। रिपोर्टों के मुताबिक, हाल के दिनों में इजरायली सेना ने अली ताहेर पहाड़ियों पर कब्जा करने की कई कोशिशें कीं, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली। हिज्बुल्ला ने दावा किया कि उसने इजरायली सैनिकों पर घात

लगाकर हमला किया, जिसमें चार सैनिक मारे गए। इसके बाद इजरायल ने नबातियेह और आसपास के क्षेत्रों पर सैकड़ों हवाई हमले किए।

लेबनान युद्ध खत्म करने में बड़ी प्रगति, ईरान के विदेश मंत्रीः ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि पाकिस्तान और कतर की मध्यस्थता से लेबनान युद्ध समाप्त करने की दिशा में बड़ी प्रगति हुई है। सोशल मीडिया पर जारी बयान में अराघची ने कहा कि तेल और पेट्रोकेमिकल निर्यात पर छूट दी गई है, नाकेबंदी हटाई गई है और कुछ जमे हुए वित्तीय संसाधन भी जारी किए गए हैं। इसके अलावा ईरान के पुनर्निर्माण और विकास के लिए एक बड़ी योजना शुरू की गई है। हालांकि उन्होंने कहा कि इस समझ की वास्तविक परीक्षा 'लेबनान डी-कॉन्फ्लिक्शन सेल' होगी, जिससे यह तय होगा कि संघर्षविराम और समझौते को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकता है या नहीं।

अमेरिकी वार्ताकारों के साथ दिखे कतर के प्रधानमंत्री, साझा की तस्वीरः कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जासिम अल थानी ने अमेरिकी वार्ताकार जेडी वेंस और जेरेड कुशनर के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, 'लूसर्न से लाइव, काम जारी है।' यह तस्वीर ऐसे समय सामने आई है, जब अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड में वार्ता का दौर जारी है। कतर इस वार्ता में अहम मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। शेख मोहम्मद की पोस्ट से संकेत मिलता है कि पर्दे के पीछे बातचीत और कूटनीतिक प्रयास लगातार जारी हैं।

पश्चिम एशिया में तैनात हैं अमेरिकी बल, सेंटकॉम ने जारी की तस्वीरेंः अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने कहा है कि अमेरिकी सैन्य बल पूरे मध्य पूर्व में आसमान, जमीन और समुद्र में सक्रिय रूप से मौजूद हैं।

स्विस वार्ता में ईरानी प्रतिनिधिमंडल का काम पूरा

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने कहा है कि स्विट्जरलैंड में अमेरिका-ईरान वार्ता में ईरानी प्रतिनिधिमंडल का काम पूरा हो चुका है। उन्होंने बताया कि अब समझौते को प्रभावी रूप से लागू करने से जुड़े मुद्दों पर तकनीकी टीमें आगे की बातचीत करेंगी। बगाई ने कहा कि दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए हैं कि तकनीकी विशेषज्ञ आवश्यक विषयों पर काम जारी रखेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि फिलहाल वार्ताकारों का औपचारिक काम समाप्त हो गया है, लेकिन तकनीकी स्तर पर बातचीत अगले दिन भी जारी रहेगी। यह कदम संभावित समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

समय सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित विद्यालयों की व्यवस्थाएं, प्रौढ़ शिक्षा, कृषि, स्वरोजगार और सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा

कम वर्षा की संभावनाओं के बीच किसानों को सलाह, नकली खाद-बीज पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने समय सीमा बैठक में सभी विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्य पूर्ण करते हुए आमजन को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करे कलेक्टर ने कहा कि नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत हो चुकी है इसलिए सभी शासकीय विद्यालयों एवं छात्रावासों में मूलभूत सुविधाएं पूरी तरह उपलब्ध रहें। सभी शिक्षक नियमित रूप से विद्यालयों में उपस्थित होकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षण कार्य करें, शौचालय पूर्णत: क्रियाशील रहें तथा विज्ञान एवं कंप्यूटर प्रयोगशालाओं का नियमित संचालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए सभी उपखंड अधिकारियों को अपने क्षेत्र के उत्कृष्ट विद्यालयों का नियमित निरीक्षण करने तथा बालिका छात्रावासों की निगरानी महिला अधिकारियों से कराने के निर्देश दिए। उल्लास साक्षरता मिशन के अंतर्गत संचालित प्रौढ़ शिक्षा अभियान की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक साक्षरता अभियान पहुंचना चाहिए। उन्होंने अभियान को जनभागीदारी के माध्यम से गति देने और अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ने पर जोर दिया संभावित कम वर्षा की परिस्थितियों को देखते हुए कलेक्टर ने कृषि विभाग को किसानों के बीच व्यापक सलाह एवं जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि किसानों को समय पर तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए तथा नकली खाद एवं बीज के विक्रय में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। खाद दुकानों के माध्यम से होने वाले उर्वरक वितरण पर लगातार निगरानी रखी जाए ताकि किसानों को निर्धारित मूल्य एवं पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध हो सके स्वरोजगार योजनाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने एसआरएलएम एवं एनयूएलएम के माध्यम से स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को अधिकाधिक ऋण वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन आवश्यक है साथ ही 27 जून को बहरी में आयोजित होने वाले रोजगार मेले की तैयारियां समय पर पूर्ण कर अधिकाधिक युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने के निर्देश दिए कलेक्टर ने पेयजल व्यवस्था को प्राथमिकता बताते हुए अभियान चलाकर हैंडपंपों के आसपास किए गए अतिक्रमण तत्काल हटाने के निर्देश दिए, जिससे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में नागरिकों को निर्बाध पेयजल उपलब्ध हो सके बैठक में उन्होंने नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण निर्देश देते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और संतोषजनक निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता न रहे बल्कि आमजन को वास्तविक राहत मिले प्रत्येक अधिकारी अपनी जिम्मेदारी का गंभीरता से निर्वहन करते हुए सुशासन और जवाबदेही की भावना के साथ कार्य करें बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, अपर कलेक्टर बीपी पाण्डेय, उपखंड अधिकारी चुरहट विकास आनंद, गोपद बनास राकेश शुक्ला, मझौली आरपी त्रिपाठी, कुसमी शैलेश द्विवेदी सहित सभी विभागों के जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

1.92 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की खुराक, 1189 बूथों पर चलेगा विशेष अभियान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में आगामी 28 जून से शुरू होने वाले तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान के तहत पांच वर्ष तक के 1 लाख 92 हजार बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान की तैयारियों की समीक्षा कलेक्टर विकास मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक में की गई बैठक में कलेक्टर विकास मिश्रा ने सभी संबंधित विभागों को समन्वित रूप से कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि जिले का कोई भी पात्र बच्चा पोलियो की दो बूंद से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत पोलियो मुक्त देश है लेकिन इस उपलब्धि को बनाए रखने के लिए प्रत्येक बच्चे तक वैक्सीन पहुंचाना आवश्यक है। स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, पंचायत तथा नगरीय निकाय विभागों को अभियान को जनआंदोलन का रूप देने और व्यापक जनजागरूकता गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए गए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार खरे ने बताया कि अभियान के पहले दिन 28 जून को जिलेभर में 1189 पोलियो बूथ स्थापित किए जाएंगे इसके अलावा बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और अन्य प्रमुख आवागमन स्थलों पर 29 ट्रांजिट टीमें तैनात रहेंगी ताकि यात्रा के दौरान भी कोई बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे उन्होंने बताया कि अभियान के दूसरे और तीसरे दिन स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर उन बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगी जो पहले दिन बूथों तक नहीं पहुंच पाएंगे इसके लिए विस्तृत माइक्रोप्लान तैयार कर सभी टीमों को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि वे 28 जून को अपने पांच वर्ष तक के बच्चों को निकटतम पोलियो बूथ पर ले जाकर पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं।

30 साल पुराने मकान पर चला बुलडोजर, परिवार बेघर, बिना नोटिस कार्रवाई का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के सिहावल जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम गजरहा में प्रशासन की कार्रवाई के बाद एक परिवार बेघर हो गया है पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि बहरी तहसीलदार ने सोमवार शाम करीब 4 बजे बिना किसी पूर्व सूचना या नोटिस के उनके 30 साल पुराने मकान को बुलडोजर से ध्वस्त करा दिया इस कार्रवाई के बाद परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हो गया है 30 साल से रह रहे मकान पर कार्रवाई का आरोप पीड़ित नंदलाल सिंह ने बताया कि वे पिछले लगभग तीन दशकों से अपने परिवार के साथ उक्त स्थान पर रह रहे थे। उनका कहना है कि प्रशासन की ओर से उन्हें न तो कोई नोटिस दिया गया और न ही बेदखली की कोई प्रक्रिया बताई गई। अचानक प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा और उनका मकान गिरा दिया गया जिससे पूरा परिवार संकट में आ गया है।

सरकारी भूमि का दावा पीड़ित ने उठाए सवाल: प्रशासन की ओर से बताया गया कि यह भूमि मध्य प्रदेश शासन की है और इस पर अवैध कब्जा किया गया था नंदलाल सिंह का कहना है कि गांव में लगभग 13 अन्य लोगों ने भी इसी सरकारी भूमि पर मकान बना रखे हैं लेकिन कार्रवाई केवल उनके घर पर की गई उन्होंने इसे चयनात्मक कार्रवाई बताते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं।

घर उजड़ने से परिवार संकट में: मकान गिराए जाने के बाद पीड़ित परिवार के सामने रहने की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है घर का सामान मलबे में बिखरा पड़ा है और परिवार खुले में रहने को मजबूर है इस घटना को लेकर ग्रामीणों में भी चर्चा और नाराजगी देखी जा रही है।

तहसीलदार ने टिप्पणी से किया इनकार : इस मामले में बहरी तहसीलदार इंद्रभान सिंह से प्रतिक्रिया लेने का प्रयास किया गया लेकिन उन्होंने किसी भी प्रकार की टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

पीएम शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पनवार में उत्साहपूर्वक मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

योग को स्वस्थ जीवन और सशक्त राष्ट्र निर्माण का आधार बताया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पीएम शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पनवार में सामूहिक योगाभ्यास एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी इंद्रशरण सिंह चौहान रहे कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग को वैश्विक पहचान मिली है और आज पूरा विश्व 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाकर भारतीय संस्कृति एवं योग परंपरा का सम्मान कर रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों एवं उपस्थित नागरिकों से नियमित योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि योग स्वस्थ शरीर, शांत मन और सकारात्मक जीवन का आधार है इस अवसर पर राजेश कुमार दुबे, सुनील सिंह, महेंद्र सिंह सहित विद्यालय के शिक्षक विजय द्विवेदी, डी.के. सिंह, विकास सिंह एवं अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों के साथ सामूहिक योगाभ्यास किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं तथा ग्रामीणजनों ने सहभागिता कर योग के विभिन्न आसनों एवं प्राणायाम का अभ्यास किया कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्राचार्यमती प्रतिभा भार्गव ने सभी अतिथियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं ग्रामीणजनों का आभार व्यक्त करते हुए नियमित योगाभ्यास के माध्यम से स्वस्थ एवं जागरूक समाज के निर्माण का संकल्प दोहराया।

कीर्तन परिक्रमा और योग प्रशिक्षण से गूंजा लक्ष्मणबाग, अंतर्राष्ट्रीय योग एवं संगीत दिवस पर यादगार आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय योग एवं संगीत दिवस के अवसर पर रिदम म्यूजिकल ग्रुप द्वारा लक्ष्मणबाग मंदिर परिसर में आध्यात्मिकता, स्वास्थ्य और संगीत का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत कीर्तन परिक्रमा और हरे रमा-हरे कृष्णा संकीर्तन के साथ हुई, जिसने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। लक्ष्मणबाग प्रांगण में आयोजित योग प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ संजय गांधी अस्पताल के पूर्व संचालक डॉ. सी.बी. शुक्ला ने योग प्रदर्शन के साथ किया। स्व. उमा पगैहा चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. के.के. पगैहा ने 85 वर्ष की आयु में भी नियमित योगाभ्यास करने के अपने अनुभव साझा करते हुए लोगों को स्वस्थ जीवन के लिए प्रेरित किया।

ई-अटेंडेंस व्यवस्था पर शिक्षक संगठन का विरोध, इसे बताया डिजिटल उत्पीड़न पुनर्विचार की मांग

मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। लोक शिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश द्वारा 22 जून 2026 को जारी उस आदेश को लेकर शिक्षकों में असंतोष देखा जा रहा है जिसमें 1 जुलाई 2026 से सभी कार्यालयों एवं प्रशिक्षण संस्थानों में हमारे शिक्षक ऐप के माध्यम से ई-अटेंडेंस अनिवार्य की गई है। इस निर्णय का मध्यप्रदेश शिक्षक कांग्रेस ने कड़ा विरोध करते हुए इसे शिक्षकों के आत्मसम्मान और कार्यक्षमता पर आघात बताया है।

शिक्षकों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने जैसा निर्णय

मध्यप्रदेश शिक्षक कांग्रेस के रीवा जिला अध्यक्ष शिवेन्द्र पाण्डेय ने कहा कि यह व्यवस्था शिक्षकों की निष्ठा और कार्यसंस्कृति पर अविश्वास को दर्शाती है उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल उपस्थिति दर्ज करने वाला कर्मचारी नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं ऐसे में उन्हें केवल डिजिटल हाजिरी तक सीमित करना शिक्षा के मूल उद्देश्य के विपरीत है।

तकनीकी बाधाओं को लेकर जताई चिंता शिवेन्द्र पाण्डेय ने कहा कि ऐप आधारित ई-अटेंडेंस व्यवस्था में तकनीकी खामियां, सर्वर की समस्या, इंटरनेट की अनुपलब्धता और संचालन की जटिलताएं शिक्षकों के लिए अतिरिक्त परेशानी का कारण बनेंगी इससे शिक्षण कार्य प्रभावित होगा और शिक्षकों का समय व ऊर्जा अनावश्यक प्रक्रियाओं में व्यर्थ होगी उन्होंने सवाल उठाया कि क्या केवल मोबाइल ऐप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराने से शिक्षा की गुणवत्ता में वास्तविक सुधार संभव है।

डिजिटल उत्पीड़न करार दिया: मध्यप्रदेश शिक्षक कांग्रेस ने इस व्यवस्था को 'डिजिटल उत्पीड़न' की संज्ञा देते हुए कहा कि वर्तमान में शिक्षकों को बेहतर संसाधन, प्रशासनिक राहत और सम्मानजनक कार्य वातावरण की आवश्यकता है, न कि अतिरिक्त निगरानी प्रणाली की संगठन ने कहा कि सरकार का ध्यान शिक्षा की गुणवत्ता, आधारभूत संरचना, छात्र-शिक्षक अनुपात और नवाचार पर होना चाहिए न कि केवल निगरानी आधारित तंत्र पर।

शिक्षक संगठन की प्रमुख मांगें: शिक्षक कांग्रेस ने मांग की है कि शिक्षकों को विश्वास आधारित कार्य वातावरण दिया जाए और ई-अटेंडेंस जैसी व्यवस्था पर पुनर्विचार किया जाए साथ ही शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए संसाधनों और स्कूल व्यवस्था को मजबूत किया जाए।

योग साधना के माध्यम से स्वस्थ समाज निर्माण में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पांच योग शिक्षक बने "स्टार ऑफद मंथ"

प्रत्येक रविवार सर्किट हाउस में होगा नि:शुल्क योग सत्र, योग को जनआंदोलन बनाने का लिया संकल्प

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। योग साधना के माध्यम से स्वस्थ समाज निर्माण में उल्लेखनीय योगदान देने वाले जिले के पांच योग शिक्षकों को जिला प्रशासन ने ष्स्टार ऑफ द मंथष् सम्मान से अलंकृत किया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित राज्य शासन के सामूहिक योग कार्यक्रम में उत्कृष्ट सेवाएं देने पर उन्हें प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया सम्मानित योग शिक्षकों में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सतनरा के योग शिक्षक श्रवण कुमार शुक्ल, गायत्री शक्ति पीठ सीधी के योग शिक्षक प्रद्युम्न पटेल, डाइट सीधी की योग शिक्षिका सुनीता पटेल, पतंजलि योग समिति सीधी की योग शिक्षिका सुजाता मिश्रा तथा प्रजापिता ब्रह्माकुमारी आश्रम सीधी की योग शिक्षिका ब्रह्मकुमारी शैली शामिल हैं प्रशंसा प्रमाण पत्र में उल्लेख किया गया कि 21 जून 2026 को आयोजित सामूहिक योग कार्यक्रम में इन योग शिक्षकों ने जिला प्रशासन के नेतृत्व में उत्कृष्ट दायित्व निर्वहन अनुकरणीय कार्यकुशलता, समर्पण और सेवा भावना का परिचय दिया योग के प्रचार-प्रसार एवं जनसामान्य को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने में उनके योगदान को विशेष रूप से सराहा गया इस अवसर पर सभी सम्मानित योग शिक्षकों ने योग को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए समन्वित एवं सतत प्रयास करने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने निर्णय लिया कि जिले के नागरिकों को नियमित योगाभ्यास से जोड़ने के उद्देश्य से प्रत्येक रविवार प्रात: 6 बजे सर्किट हाउस, सीधी में नि:शुल्क सामूहिक योग सत्र आयोजित किया जाएगा।

जिले में 1.92 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की खुराक, तैयारियों की समीक्षा

1189 बूथों और 29 ट्रांजिट टीमों के माध्यम से चलेगा पल्स पोलियो अभियान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित कर आगामी 28 जून से प्रारंभ होने वाले तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी विभागों को समन्वित रूप से कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि जिले का पांच वर्ष तक का कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे बैठक में कलेक्टर ने कहा कि भारत पोलियो मुक्त देश है, लेकिन इस उपलब्धि को बनाए रखने के लिए प्रत्येक पात्र बच्चे तक पोलियो की दो बूंद पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, पंचायत एवं नगरीय निकाय विभागों को आपसी समन्वय के साथ अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने के निर्देश दिए। साथ ही व्यापक जनजागरूकता गतिविधियां संचालित कर अभिभावकों को बच्चों को पोलियो बूथ तक लाने के लिए प्रेरित करने पर भी जोर दिया कलेक्टर विकास मिश्रा ने निर्देश दिए कि सभी बूथों पर पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन, प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मी एवं आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित रहें। अभियान की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा किसी भी प्रकार की कमी या समस्या का तत्काल निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि पोलियो उन्मूलन की उपलब्धि को बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और इसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक कुमार खरे ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में इस बार 1 लाख 92 हजार बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान तीन दिनों तक संचालित होगा। पहले दिन 28 जून को जिलेभर में 1,189 पोलियो बूथों पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। इसके अतिरिक्त बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन एवं अन्य प्रमुख आवागमन स्थलों पर 29 ट्रांजिट टीमें तैनात रहेंगी, ताकि यात्रा के दौरान भी कोई बच्चा खुराक से वंचित न रहे उन्होंने बताया कि अभियान के दूसरे एवं तीसरे दिन स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर ऐसे बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगी, जो पहले दिन किसी कारणवश बूथों तक नहीं पहुंच पाएंगे। इसके लिए विस्तृत माइक्रोप्लान तैयार किया गया है तथा प्रत्येक टीम को आवश्यक संसाधन एवं जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि वे 28 जून, रविवार को अपने पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को निकटतम पोलियो बूथ पर ले जाकर पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं। यदि किसी कारणवश बच्चा बूथ तक नहीं पहुंच पाता है तो घर आने वाली स्वास्थ्य टीम को सहयोग करें दो बूंद हर बार पोलियो पर जीत रहे बरकरार के संदेश के साथ सभी नागरिकों से अभियान को सफल बनाने की अपील की गई है बैठक में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत धनंजय मिश्रा, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास प्रवेश मिश्रा, जिला शिक्षा अधिकारी पी.के. सिंह., जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. नागेन्द्र बिहारी दुबे सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पीएम श्री विद्यालय पनवार में हुआ सामूहिक योगाभ्यास

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पनवार में सामूहिक योगाभ्यास एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों और ग्रामीणजनों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए योग को स्वस्थ जीवनशैली का महत्वपूर्ण आधार बताया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी इंद्रशरण सिंह चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिली है आज विश्व के अनेक देश 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाकर भारतीय संस्कृति और योग परंपरा का सम्मान कर रहे हैं उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि शरीर, मन और आत्मा के संतुलन का माध्यम है नियमित योगाभ्यास व्यक्ति को स्वस्थ, ऊर्जावान और सकारात्मक बनाता है उन्होंने विद्यार्थियों और नागरिकों से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील करते हुए कहा कि स्वस्थ नागरिक ही सशक्त समाज और मजबूत राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। योग तनाव को कम करने, मानसिक एकाग्रता बढ़ाने और जीवन में अनुशासन विकसित करने का प्रभावी साधन है। कार्यक्रम के दौरान राजेश कुमार दुबे, सुनील सिंह, महेंद्र सिंह सहित विद्यालय के शिक्षक विजय द्विवेदी, डी.के. सिंह और विकास सिंह ने विद्यार्थियों के साथ विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया।

पैदल यात्रियों का हक:गाड़ियों से ज़्यादा लोगों को मिले तरजीह

संपादकीय

जब सुप्रीम कोर्ट यह कहता है कि सुरक्षित और तयशुदा फुटपाथ पर चलना आम व्यक्ति का मौलिक अधिकार है, तो इसके खास मायने हैं। अदालत उस हकीकत की ओर नीति-नियंताओं का ध्यान दिलाती है, जिसे अब तक भारतीय शहरों के नियोजन में नजरअंदाज किया गया। निश्चित रूप से सड़कों पर पहला हक लोगों का है, बाद में गाड़ियों का। सही मायने में कोर्ट ने पैदल चलने वाले लोगों के अधिकारों को जीवन, आजादी और कहीं भी आने-जाने की गारंटी से जोड़कर सार्थक पहल की है। अदालत ने इस तरह नागरिक जीवन की एक बुनियादी जरूरत को सार्वजनिक जवाबदेही का मुद्दा बना दिया है। यह एक हकीकत है कि देश के करोड़ों भारतीयों के लिये पैदल चलना रोजमर्रा की जरूरत है, न कि जीवनशैली का विकल्प। इनमें तमाम स्कूल जाने वाले बच्चे, बाजार जाने वाले बुजुर्ग, कम दूरी तक आने-जाने वाले कामगार और दिव्यांग लोग शामिल हैं, जिनके लिये सुरक्षित पैदल यात्रा जीवन की एक सुविधा है। यह विडंबना ही है कि अक्सर रेहड़ी-खोमचे वाले, गलत तरीके से सड़कों में खड़ी गाड़ियां और निर्माण कार्य से जुड़ा मलबा पैदल यात्रियों के रास्ते पर अतिक्रमण कर देता है। यही वजह है कि पैदल यात्रियों को व्यस्त सड़कों पर चलने के लिये मजबूर होना पड़ता है। जिससे अकसर उनका जीवन खतरे में पड़ सकता है। कोर्ट ने सख्त शब्दों में कहा है कि गाड़ी चलाने वाले पैदल चलने वाले लोगों के अधिकारों को नजरअंदाज नहीं कर सकते। सही मायने में यह टिप्पणी वाहन केंद्रित शहरी नियोजन की सोच पर सीधे प्रहार करती है।

यह विडंबना ही है कि शहरी सड़क परियोजनाओं में ट्रैफिक के प्रवाह को प्राथमिकता दी गई है। वहीं फुटपाथ को गैर जरूरी माना गया है। इसकी ही वजह से अकसर होने वाले सड़क हादसों का शिकार पैदल यात्रियों को होना पड़ता है। इसी दोषपूर्ण नीति के चलते ही लगातार पैदल चलने की जगह सिमटती रही है और सड़क हादसों में मरने वाले लोगों की संख्या बढ़ती रही है। सड़क परिवहन मंत्रालय की 2024 की रिपोर्ट बताती है कि सड़क हादसों में इस साल 36,526 पैदल यात्रियों की मौत हुई है। मरने वालों का यह आंकड़ा सड़क दुर्घटना में मरने वाले लोगों की संख्या का 20.26 प्रतिशत है। यही वजह है कि कोर्ट को पैदल चलने वाले लोगों के अधिकार की सुरक्षा के लिये एक कानूनी ढांचा बनाने पर जोर देना पड़ा है। वास्तव में पैदल यात्रियों की रक्षा के लिये कानून तो पहले से ही हैं, मगर ये बिखरे हुए हैं। यदि एक व्यापक कानून बनता है तो फुटपाथ के डिजाइन, यात्रियों की पहुंच, फुटपाथों के रखरखाव और जवाबदेही के लिये मानकों का निर्धारण संभव हो सकेगा। इस संकट के समाधान के लिये नगर निकायों को अतिक्रमण-रोधी नियमों को सख्ती से लागू करना सुनिश्चित करना चाहिए। वास्तव में तभी कोई शहर सचमुच आधुनिक बनता है, जब वह ज्यादा कारों को जगह देने के बजाय हर आम नागरिक को सुरक्षित और सम्मान के साथ चलने की सुविधा प्रदान करता है।

अपने दल से अलग क्यों जा रहे सांसद

सुरेश हिंदुस्तानी

राजनीति में अवसर की तलाश करना आज के राजनेताओं का प्रिय विषय बनता जा रहा है। सीधे शब्दों इसे यूँ भी कहा जा सकता है कि राजनीति अब सेवा का मार्ग न होकर अवसरवादिता के आवरण को ओढ़ चुकी है। विपक्षी दलों खास कर तृणमूल कांग्रेस और अब उद्धव ठाकरे की शिवसेना के सांसदों का अलग होना कहीं न कहीं यही संकेत करता है कि ये सांसद अपने पार्टी के सिद्धांतों से किसी भी प्रकार का कोई सरोकार नहीं रखते थे, लिहाजा उन्होंने अपना खुद का एक राजनीतिक पाला बना लिया। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण यही माना जा रहा है कि अब विपक्ष की संभावनाएं धूमिल होती दिखाई दे रही हैं। विपक्ष की राजनीति का एक ही मुद्दा रह गया है, वह है आरोप की राजनीति। तुम आरोप लगाते रहो, हम काम करते जाएंगे। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच कुछ इसी प्रकार का खेल चल रहा है। यह बात सच है कि केवल आरोप लगाने की राजनीति के माध्यम से सत्ता का सिंहासन प्राप्त नहीं किया जा सकता। इसके लिए राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय हित और जनहित की ओर जाना ही होगा। आज की राजनीतिक स्थिति का विचार किया जाए तो यह कहना उचित ही होगा कि भाजपा का प्रचार सत्ता पक्ष की ओर से कम विपक्ष की ओर से ज्यादा किया जा रहा है। आज विपक्ष के नेताओं के बयान बिना भाजपा के अधूरे ही रहते हैं।

राजनीति में कब क्या हो जाए, कोई भी व्यक्त नहीं कर सकता। इसके पीछे एक कारण यह भी हो सकता है कि आज का राजनेता किसी न किसी हेतु के लिए ही राजनीति कर रहा है, ऐसे राजनेता की न तो किसी दल से वैचारिक समानता होती है और न ही किसी राजनीतिक नेतृत्व के प्रति निष्ठा ही रहती है। ऐसे राजनेता अपने स्वार्थ को पूरा करने के अवसर की तलाश करते हैं। वर्तमान में विपक्षी राजनीतिक दलों के जो सांसद अपने दलों को छोड़ रहे हैं या छोड़ने का मन बना रहे हैं, वे अब शायद यह समझने लगे हैं कि उनका भविष्य अपने दल के साथ सुरक्षित नहीं है। इसका कारण यही है कि भारत की जनता को भारत के विकास की राजनीति पसंद आने लगी है। दूसरा बड़ा कारण यह भी हो सकता है कि भाजपा की ताकत लगातार बढ़ती जा रही है। विपक्ष के राजनीतिक दल पूरा जोर लगाने के बाद भी पराजित होते जा रहे हैं। भविष्य में इनको सफलता मिलेगी, इसकी फिलहाल कोई गुंजाईश भी नहीं है।

वर्तमान में तृणमूल कांग्रेस के कई विधायक और सांसद ममता बनर्जी का साथ छोड़कर अलग राह पर जा चुके हैं। इससे ममता बनर्जी की राजनीतिक ताकत भी बेअसर हो गई है। और इसी कारण उनकी पार्टी आज एक डूबता हुआ जहाज की परिकल्पना को चरितार्थ करती हुई दिखाई दे रही है। कहा जाता कि जब किसी के ताकत होती है, तो उसके पास अनेक लोग खड़े हो जाते हैं, और उसके शक्तिहीन होने पर कभी खास बनने वाले लोग भी दूरी बना लेते हैं। विपक्ष की राजनीति के लिए सबसे ज्यादा चिंता करने वाली बात यह है कि विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए एक समय ताल ठोकने वाली ममता बनर्जी के पास अब पहले जैसा रुतबा नहीं होगा और न ही विपक्ष में उनकी बात को कोई तबज्जो मिलेगा। इतना ही नहीं एक समय कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ मुखर होने वाली ममता के लिए अब कांग्रेस के नेतृत्व में राजनीति करने की मजबूरी बन गई है, जो ममता बनर्जी को न तो पहले स्वीकार था और न ही वे अब स्वीकार करेंगी।

जहाँ तक तृणमूल कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की पार्टी के सांसदों के अपने दल से बागी होने की बात है तो यह कहना समीचीन ही होगा कि आज के राजनीतिक परिदृश्य में विपक्ष के भविष्य की संभावनाओं पर एक बहुत बड़ा विराम सा लगा हुआ दिखाई देता है। विपक्ष के राजनीतिक दल किसके नेतृत्व में एक होंगे, यह बड़ा सवाल है। जिसका उत्तर किसी के पास नहीं है। ऐसे में क्षेत्रीय दलों के वे नेता जो हाँ में हाँ मिलाते हुए राजनीति करते थे वे अब प्रासंगिक होने लगे हैं। इनका प्रासंगिक होना ही विपक्षी एकता के लिए बहुत बड़ा खतरा है। क्योंकि शक्ति केंद्र एक स्थान पर होता है तो उसकी बात का महत्त्व होता है, लेकिन यही शक्ति जब विभाजित हो जाती है, तब वह शक्तिहीन की श्रेणी में ही आती है।

ईरान-अमेरिका इस्लामाबाद एमओयू समझौता 'टायं-टायं फिस्स'?

इस्लामाबाद एमओयू समझौता- विरोधाभासी स्थिति ने वैश्विक ऊर्जा बाजार, वित्तीय बाजारों और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को अनिश्चितता के भंवर में धकेल दिया है होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान ऊर्जा लागत बढ़ाकर मुद्रास्फीति को फिर से भड़का सकता है, एशिया के बड़े आयातक देशों-भारत, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया पर इसका सबसे अधिक प्रभाव पड़ सकता है वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया में शांति की जो किरण 17-18 जून 2026 कोअमेरिका और ईरान के बीच हुए 14- सूत्रीय 'इस्लामाबाद मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू)' के बाद दिखाई दी थी,वह महज कुछ दिनों में ही गंभीर परीक्षा के दौर में पहुंच गई है। 21 जून 2026 को शाम 6 बजे तक की स्थिति यह संकेत दे रही है कि जिस समझौते को क्षेत्रीय युद्ध विराम, होर्मुज जलडमरूमध्य के पुनः खुलने और 60 दिनों के भीतर व्यापक शांति समझौते की दिशा में ऐतिहासिक पहल माना जा रहा था,वह अब गहरे संकट में है।ईरान नेआरोप लगाया है कि अमेरिका और इज़राइल ने समझौते की मूल भावना तथा विशेष रूप से लेबनान मोर्चे पर युद्धविराम संबंधी प्रतिबद्धताओं का पालन नहीं किया।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

इसके जवाब में तेहरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को पुनः बंद करने की घोषणा कर दी है,जबकि अमेरिकी पक्ष का कहना है कि समुद्री यातायात अभी भी जारी है और बड़ी संख्या में व्यापारिक जहाज इस मार्ग से गुजर रहे हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इसी विरोधाभासी स्थिति ने वैश्विक ऊर्जा बाजार,वित्तीय बाजारों और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को एक बार फिर अनिश्चितता के भंवर में धकेल दिया है। अब पूरी दुनियाँ की निगाहें 23 से 25 जून के बीच स्विट्जरलैंड में प्रस्तावित अमेरिका-ईरान वार्ता पर टिकी हैं, जहां यह तय होगा कि यह समझौता बचाया जा सकता है या पश्चिम एशिया एक नए और अधिक गंभीर संकट की ओर बढ़ रहा है।

साथियों, अमेरिका और ईरान के बीच जिस 14-सूत्रीय समझौते की घोषणा की गई थी,उसका मूल उद्देश्य केवल दोनों देशों के बीच तनाव कम करना नहीं था, बल्कि पूरे क्षेत्र में फैले संघर्ष को नियंत्रित करना था। समझौते के प्रमुख बिंदुओं में सभी मोर्चों पर सैन्य कार्रवाइयों का अंत, लेबनान में युद्धविराम,होर्मुजजलडमरूमध्य का पुनः खुलना, ईरानी तेल निर्यात पर प्रतिबंधों में राहत, परमाणु कार्यक्रम पर आगे की वार्ता तथा 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते तक पहुंचने का रोडमैप शामिल था। समझौते को अंतरिम ढांचा माना गया था, न कि अंतिम शांति संधि। इसी कारण इसकी सफलता इस बात पर निर्भर थी कि संबंधित पक्ष जमीन पर हिंसा रोकने में कितने सफल रहते हैं।लेकिन समझौते के लागू होने के तुरंत बाद लेबनान मोर्चे पर तनाव फिर बढ़ गया। इज़राइल और हिजबुल्लाह के बीच नई झड़पों तथा इज़रायली सैन्य अभियानों ने तेहरान को यह कहने का अवसर दिया कि समझौते की पहली और सबसे महत्वपूर्ण शर्त का उल्लंघन हो चुका है। ईरान का तर्क है कि यदि युद्धविराम स्थायी और व्यापक होना था, तो अमेरिका को अपने सहयोगी इज़राइल को रोकना चाहिए था। तेहरान के अनुसार ऐसा नहीं हुआ और परिणाम स्वरूप समझौते की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग गया।

साथियों, इसी पृष्ठभूमि में ईरान ने एक बार फिर होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की घोषणा की। ईरानी सैन्य प्रतिष्ठान और संबंधित अधिकारियों ने चेतावनी दी कि जब तक समझौते की शर्तों का वास्तविक अनुपालन नहीं होता, तब तक ऊर्जा आपूर्ति को सामान्य नहीं होने दिया जाएगा। ईरान का कहना है कि दक्षिणी लेबनान से इज़रायली सैन्य गतिविधियां समाप्त होनी चाहिए, अमेरिकी नौसैनिक दबाव पूरी तरह हटना चाहिए और क्षेत्र में सैन्य तनाव कम होना चाहिए। अन्यथा होर्मुज का प्रश्न केवल समुद्री मार्ग का नहीं बल्कि व्यापक सुरक्षा व्यवस्था का विषय रहेगा।हालांकि अमेरिकी पक्ष इस दावे से पूरी तरह सहमत नहीं है।अमेरिकी केंद्रीय कमान (सेंटकॉम) ने कहा है कि जलडमरूमध्य से व्यापारिक जहाजों की आवाजाही जारी है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार 55 से अधिक व्यापारिक जहाज हाल ही में इस मार्ग से गुजरे और उन्होंने 17 मिलियन बैरल से अधिक तेल तथा अन्य माल का परिवहन कियावाशिंगटन का तर्क है कि ईरान की घोषणाएं और वास्तविक समुद्री स्थिति में अंतर हो सकता है। यही कारण है कि अमेरिका इस संकट को वार्ता के माध्यम से हल करने की सटीकता से कोशिश कर रहा है। साथियों, यह विवाद केवलद्द क्षेत्रीय राजनीति तक सीमित नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा की धुरी माना जाता है। विश्व के समुद्री मार्ग से होने वाले तेल व्यापार का एक बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, इराक और कतर जैसे ऊर्जाह्य उत्पादक देशों का निर्यात बड़े पैमाने पर इसी मार्ग पर निर्भर है। इसलिए जब भी होर्मुज के बंद होने की खबर आती है, वैश्विक बाजारों में तुरंत चिंता बढ़ जाती है।ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह स्थितिह्य लंबी चली तो कच्चे तेल की कीमतों में तीव्र उछाल आ सकता है। पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले ही महामारी, यूक्रेन संघर्ष और आपूर्ति श्रृंखला संकटों से जूझ चुकी है। ऐसे में होर्मुज में व्यवधान ऊर्जा लागत बढ़ाकर मुद्रास्फीति को फिर से भड़का सकता है। एशिया के बड़े आयातक देशों-भारत, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया पर इसका सबसे अधिक प्रभाव पड़ सकता है।

साथियों, भारत के लिए यहद्द संकट विशेष महत्व रखता है। भारत अपनी तेल आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है और खाड़ी क्षेत्र उसका प्रमुख स्रोत है। यदि होर्मुज में वास्तविक अवरोध उत्पन्न होता है तो कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का सीधा प्रभाव पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, उर्वरकों और परिवहन लागत पर पड़ सकता है। इससे महंगाई बढ़ने की आशंका रहेगी और आर्थिक विकास की गति पर भी दबाव पड़ सकता है। हालांकि भारत ने हाल के वर्षों में रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार बढ़ाने और आयात स्रोतों में विविधता लाने के प्रयास किए हैं, फिर भी होर्मुज का महत्व कम नहीं हुआ है।वित्तीय बाजार भी इस पूरे घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रखे हुए हैं। यदि सोमवार को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में तेल की कीमतें तेजी से बढ़ती हैं, तो शेयर बाजारों में अस्थिरता देखी जा सकती है। ऊर्जा कंपनियों के शेयरों में तेजी आ सकती है जबकि विमानन, परिवहन और ऊर्जा-गहन उद्योगों पर दबाव बढ़ सकता है। निवेशक आमतौर पर ऐसे समय में सोना, अमेरिकी डॉलर और सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर रुख करते हैं। इसलिए यह संकट केवल भू-राजनीतिक नहीं बल्कि वित्तीय और आर्थिक चुनौती भी बन चुका है।

साथियों दिलचस्प बात यह है कि इसी दौरान अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज संकट की बजाय जहाजों पर संभावित टोल टैक्स लगाने की चर्चा करके राजनीतिक बहस को नया मोड़ दे दिया। ट्रंप का तर्क है कि क्षेत्रीय संघर्षों से हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई के लिए ऐसे विकल्पों पर विचार किया जा सकता है।हालांकि आलोचकों का कहना है कि वर्तमान संकट का मुख्य प्रश्न जलमार्ग की सुरक्षा और शांति समझौते का भविष्य है, न कि टोल वसूली।अब सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या अमेरिका-ईरान समझौता वास्तव में टूट चुका है? उपलब्ध संकेत बताते हैं कि स्थिति गंभीर अवश्य है, लेकिन समझौता औपचारिक रूप से समाप्त नहीं हुआ है। दोनों पक्ष अभी भी स्विट्जरलैंड में वार्ता के लिए तैयार हैं और मध्यस्थ देशों– विशेषकर कतर तथा पाकिस्तान की भूमिका जारी है। इसलिए इसे पूर्ण विफलता कहना जल्दबाजी होगी। बल्कि यह कहना अधिक उचित होगा कि समझौता अपने पहले बड़े परीक्षण से सटिकता से गुजर रहा है।

साथियों, 23-25 जून 2026 की वार्ता इसलिएनिर्णायक मानी जा रही है क्योंकि वहीं यह स्पष्ट होगा कि क्या लेबनान मोर्चे पर निगरानी तंत्र बनाया जा सकता है, क्या होर्मुज को स्थायी रूप से खुला रखा जा सकता है, क्या प्रतिबंधों में राहत की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी और क्या 60-दिवसीय शांति प्रक्रिया को बचाया जा सकेगा। यदि वार्ता सफल रहती है तो यह पश्चिम एशिया में स्थिरता की दिशा में बड़ा कदम होगी। लेकिन यदि वार्ता विफल हुई तो तेल बाजारों, वैश्विक व्यापार और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए नए संकट का दौर शुरू हो सकता है।

अतः अगर हम उपयोग पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि 21 जून 2026 तक का निष्कर्ष यही है कि 'इस्लामाबाद एमओयू' अभी औपचारिक रूप से समाप्त नहीं हुआ है, लेकिन उसकी विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न खड़े हो चुके हैं। होर्मुज का पुनः बंद होना, लेबनान में जारी संघर्ष, अमेरिका और ईरान के परस्पर आरोप तथा ऊर्जा बाजारों में बढ़ती बेचैनी यह दर्शाती है कि पश्चिम एशिया की शांति अभी भी बेहद नाजुक अवस्था में है। आने वाले कुछ दिन तय करेंगे कि यह समझौता इतिहास में शांति की शुरुआत के रूप में दर्ज होगा या फिर एक ऐसे असफल प्रयास के रूप में, जो केवल कुछ दिनों की उम्मीद देकर वैश्विक संकट की नई कहानी लिख गया।

यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी की दूरदर्शिता तथा कर्मठ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्वर में आगे बढ़ता मध्यप्रदेश

भारत की राजनीति में विकास अब केवल एक नारा नहीं, बल्कि सुशासन की कसौटी बन चुका है। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित जनकल्याणकारी केन्द्री य योजनाओं और मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा प्रभावी क्रियान्वयन ने प्रदेश को देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में स्थापित कर दिया है। आज मध्यप्रदेश विकास, सुशासन, नवाचार और जनभागीदारी का ऐसा मॉडल बनकर उभरा है, जिसकी चर्चा राष्ट्रीय स्तर पर हो रही है।

(लेखक-सुरेश पचौरी)

मध्यगप्रदेश की उपलब्धियां केवल सरकारी रिपोर्टों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यहां के करोड़ों नागरिकों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की सशक्त कहानी भी हैं। यही कारण है कि आज मध्यप्रदेश अनेक केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन में देश में अग्रणी है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत 9 लाख से अधिक आवासों का निर्माण कर मध्यप्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है।

जल जीवन मिशन के अंतर्गत 82 लाख से अधिक घरों तक नल से जल पहुंचना ग्रामीण जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन का उदाहरण है। वहीं आयुष्मान भारत योजना के तहत 4 करोड़ 46 लाख से अधिक कार्ड वितरित कर और 71 लाख से अधिक नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराकर प्रदेश ने स्वास्थ्य सुरक्षा के क्षेत्र में नई मिसाल कायम की है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, पीएम स्वनिधि और पीएम स्ट्रीट वेंडर योजना जैसी योजनाओं ने महिलाओं, कारीगरों और छोटे व्यापारियों को आर्थिक आत्मनिर्भरता का नया आधार प्रदान किया है। किसान क्रेडिट कार्ड 6 लाख 50 हजार पशुपालकों को उपलब्धट हो चुके हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में 52 लाख महिलाओं को लाभ मिला जो देश में अग्रणी है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में भी मध्य प्रदेश देश में अग्रणी है।

कृषि क्षेत्र में नई ऊँचाइयों की ओर

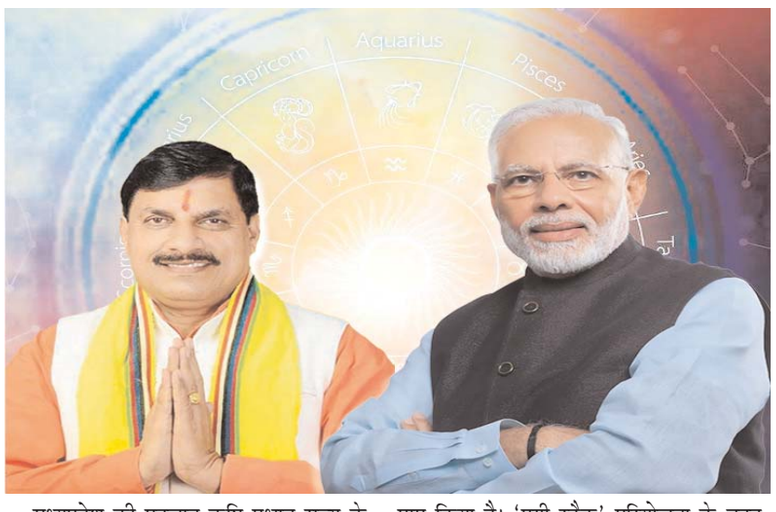

मध्यप्रदेश की पहचान कृषि प्रधान राज्य के रूप में रही है, लेकिन आज यह कृषि नवाचार और उत्पादन क्षमता के कारण राष्ट्रीय नेतृत्व की भूमिका में दिखाई देता है। प्रदेश खाद्यान्न उत्पादन व गेंहू उत्पोदन में देश में दूसरे स्थान पर है, जबकि दलहन एवं तिलहन उत्पादन में प्रथम स्थान पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा चुका है। मक्का उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य होने के साथ-साथ गेहूं, चना, उड़द और मसूर उत्पादन में भी मध्यप्रदेश शीर्ष राज्यों में शामिल है। एग्रीकल्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड योजना के तहत 5 हजार करोड़ रुपये से अधिक के प्रकरण स्वीकृत कर प्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। 'एग्री स्टैक' परियोजना के तहत एक करोड़ से अधिक यूनिक फार्मर आईडी बनाकर मध्यप्रदेश भारत सरकार से शत-प्रतिशत प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने वाला देश का एकमात्र राज्य बना है। यह उपलब्धि डिजिटल कृषि क्रांति की दिशा में डॉ. मोहन यादव के नेतृत्वा में प्रदेश की गंभीरता को दर्शाती है।

इसके साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नया आधार मिला है। जैसे मत्स्य पालन और पशुपालन के क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश लगातार नई उपलब्धियां अर्जित कर रहा है। यह आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को जमीनी स्तर पर साकार करने का प्रभावी प्रयास है।

डिजिटल गवर्नेंस और सुशासन का मॉडल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने प्रशासनिक सुधारों के क्षेत्र में उल्लेखनीय कदम उठाए हैं। देश का पहला साइबर पंजीयन कार्यालय और सभी 55 जिलों में साइबर तहसील व्यवस्था लागू करना सुशासन की दिशा में क्रांतिकारी पहल मानी जा रही है। भारत नेट योजना के अंतर्गत 20,422 ग्राम पंचायतों में ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क बिछाकर प्रदेश ने ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल कनेक्टिविटी का नया अध्याय लिखा है। यही कारण है कि मध्यप्रदेश आज डिजिटल प्रशासन और तकनीक आधारित सेवा वितरण में अग्रणी राज्यों में गिना जाता है। निवेश, उद्योग और रोजगार का नया केंद्र मध्यप्रदेश तेजी से निवेशकों की पहली पसंद बनता जा रहा है। एक वर्ष में सर्वाधिक निवेश प्रस्ताव आकर्षित करने वाला देश का तीसरा राज्य बनना इसकी बढ़ती आर्थिक शक्ति का प्रमाण है। धार में देश के पहले पीएम मित्रा पार्क का निर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण विनिर्माण क्षेत्र का विकास तथा खनिज ब्लॉकों की सफल नीलामी में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करना इस बात का संकेत है कि प्रदेश उद्योग और रोजगार सृजन के नए युग में प्रवेश कर चुका है। इसके साथ ही पर्यटन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को 'बेस्ट टूरिज्म स्टेट ऑफ द ईयर' सम्मान प्राप्त होना उसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन संभावनाओं की स्वीकृति है। पर्यटकों के लिए अंतरराज्यीय हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराने वाला यह देश का पहला राज्य है।स्वच्छता के क्षेत्र में भी प्रदेश ने अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है। इंदौर ने लगातार आठवीं बार देश के सबसे स्वच्छ शहर का खिताब जीतकर नया इतिहास रचा है, जबकि भोपाल देश की सबसे स्वच्छ राजधानी के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर चुका है। सुरक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के चलते नशामुक्ति अभियान के प्रभावी संचालन और अब नक्सलवाद से पूर्ण मुक्ति प्राप्त करना प्रदेश की कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक दक्षता का प्रमाण है। यह उपलब्धि न केवल सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि विकास के नए अवसरों का मार्ग भी प्रशस्त करती है। विकसित भारत के निर्माण में मध्यप्रदेश की निर्णायक भूमिका के तहत आज का मध्यप्रदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदर्शी नीतियों और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सक्रिय नेतृत्व का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है। जनकल्याण, सुशासन, कृषि, उद्योग, डिजिटल नवाचार और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्रों में प्राप्त उपलब्धियां यह प्रमाणित करती हैं कि मध्य,प्रदेश विकास की नई इबारत लिख रहा है। डबल इंजन की सरकार में यह केवल योजनाओं का सफल क्रियान्वयन नहीं, बल्कि जनता के विश्वास, सरकार की प्रतिबद्धता और विकास की राजनीति का जीवंत उदाहरण है। मध्यप्रदेश आज उस विकसित भारत का प्रतिनिधि बनकर उभर रहा है, जो आत्मनिर्भर, समृद्ध, सुरक्षित और उज्जवल भविष्य की ओर आत्मविश्वास के साथ अग्रसर है।

जिले में बैंकिंग क्रांति को गति देने कलेक्टर की सख्ती, हितग्राहियों तक समय पर पहुंचे ऋण और योजनाओं का लाभ

डीएलसीसी, डीसीसी एवं डीएलआरसी बैठक में बैंकिंग योजनाओं की व्यापक समीक्षा, लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में बैंकिंग सेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति (डीएलसीसी) एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति (डीएलआरसी) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सु संतन देवी जांगड़े ने की। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लीड डिस्ट्रिक्ट ऑफिसर क्षितिज वर्मा, नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक अनुपम तिवारी, लीड बैंक सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारी, विभिन्न बैंक शाखाओं के प्रतिनिधि तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे बैठक में जिले की बैंकिंग व्यवस्था, ऋण-जमा अनुपात (सीडी रेशियो), वित्तीय वर्ष 2025-26 की वार्षिक ऋण योजना (एसीपी) की उपलब्धियों एवं प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने बैंकिंग क्षेत्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन करते हुए ऋण वितरण में गति लाने तथा निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

समीक्षा के दौरान कलेक्टर सु संतन देवी जांगड़े ने कहा कि शासन की योजनाओं का उद्देश्य तभी पूर्ण होगा जब उनका लाभ समय पर पात्र हितग्राहियों तक पहुंचे। उन्होंने बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऋण संबंधी लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण किया जाए पात्र आवेदनों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए तथा स्वीकृत प्रकरणों में ऋण वितरण की प्रक्रिया को तेज किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन और बैंकिंग संस्थानों के समन्वित प्रयासों से ही जिले में आर्थिक विकास और स्वरोजगार को नई गति मिल सकती है बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में राष्ट्रीयकृत, क्षेत्रीय ग्रामीण, निजी एवं जिला सहकारी बैंक मिलाकर कुल 17 बैंक संचालित हैं जिनकी 59 शाखाएं नागरिकों को बैंकिंग सेवाएं प्रदान कर रही हैं इसके अलावा 36 एटीएम के माध्यम से लोगों को नकदी निकासी और डिजिटल बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को नगद ऋण सीमा उपलब्ध कराने की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि महिला समूह ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत आधारशिला हैं उन्होंने बैंकों को निर्देश दिए कि समूहों को समय पर वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा उनकी आयवर्धक गतिविधियों के विस्तार के लिए विशेष प्रयास किए जाएं प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत रेहड़ी-पटरी एवं छोटे व्यवसायियों को दिए जा रहे ऋण तथा नई ऋण सुविधाओं की प्रगति की समीक्षा की गई कलेक्टर ने लंबित आवेदनों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने तथा अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को योजना से जोड़ने के निर्देश दिए बैठक में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) कृषि, पशुपालन एवं मत्स्यपालन ऋण की प्रगति की भी समीक्षा की गई कलेक्टर ने कहा कि किसानों को समय पर वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना कृषि उत्पादन और ग्रामीण समृद्धि के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने पात्र कृषकों के प्रकरणों को प्राथमिकता के साथ स्वीकृत करने तथा ऋण वितरण में तेजी लाने पर जोर दिया प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना तथा अन्य शासकीय योजनाओं के अंतर्गत ऋण वितरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने और नए उद्यम स्थापित करने के लिए बैंकिंग सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता बताई बैठक में आधार डेटा (Aadhaar Data) की स्थिति एवं विभिन्न योजनाओं में आधार सीडिंग की प्रगति पर भी चर्चा की गई, ताकि लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ निर्बाध रूप से प्राप्त हो सके सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJBY), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMSBY), अटल पेंशन योजना (APY) तथा प्रधानमंत्री जनधन योजना (PMJDY) की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को इन योजनाओं से जोड़ने एवं वित्तीय जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

कोर्ट परिसर के बाहर परिवार से मारपीट, FIR की कॉपी फाड़ी, शिवपुरी में जमीन विवाद ने पकड़ा तूल

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जमीन विवाद से जुड़े एक मामले में उस समय हंगामा मच गया जब पुलिस अधीक्षक कार्यालय शिकायत दर्ज कराने जा रहे एक परिवार के साथ न्यायालय परिसर के बाहर मारपीट की घटना सामने आई पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया है कि हमलावरों ने न केवल उनके साथ मारपीट की बल्कि दर्ज कराई गई एफआईआर की कॉपी छीनकर फाड़ दी और मामला वापस लेने का दबाव बनाया घटना के बाद पीड़ित परिवार ने एसपी कार्यालय पहुंचकर सुरक्षा और कार्रवाई की मांग की है।

खेत की फेंसिंग को लेकर शुरू हुआ विवाद: ग्राम गुरुकदवाया निवासी रोशनी धाकड़ ने महिला थाना शिवपुरी में दिए आवेदन में बताया कि 21 जून को खेत की तार फेंसिंग को लेकर गांव के ही जगदीश जाटव संजीव जाटव और अशोक जाटव ने उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट की थी। आरोप है कि विवाद के दौरान संजीव जाटव ने कुल्हाड़ी से हमला किया जिससे रोशनी धाकड़ के पैर में गंभीर चोट आई घायल को पहले पिछोर अस्पताल और बाद में जिला अस्पताल शिवपुरी में भर्ती कराया गया था।

न्यायालय परिसर के बाहर फिर हमला: पीड़िता के अनुसार, मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर उनके पति अनिल धाकड़, देवर रामभरत धाकड़ नीतेश धाकड़ और रिश्तेदार हरीचरण धाकड़ सोमवार को न्यायालय परिसर और एसपी कार्यालय पहुंचे थे। परिवार वहां आवेदन टाइप करा रहा था तभी आरोप है कि उसी समय अशोक जाटव संजीव जाटव लखन जाटव सहित अन्य लोग मौके पर पहुंच गए पीड़ित पक्ष का कहना है कि आरोपियों ने उन्हें रिपोर्ट वापस लेने की धमकी देते हुए हमला कर दिया और मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

एफआईआर कॉपी फाड़ने का आरोप: परिवार ने आरोप लगाया है कि मारपीट के दौरान आरोपियों ने एफआईआर की कॉपी छीनकर फाड़ दी और दोबारा शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी घटना के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गएएसपी कार्यालय में शिकायत सुरक्षा की मांग घटना के बाद पीड़ित परिवार सीधे पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा और पूरे मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई।

मचाखुर्द में रातों-रात प्लॉटों पर अवैध कब्जा, भू-स्वामियों में आक्रोश, प्रशासन ने जांच शुरू

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले की पोहरी तहसील के ग्राम मचाखुर्द में देर रात हुए कथित अवैध कब्जे के मामले ने इलाके में हड़कंप मचा दिया है कई भू-स्वामियों ने आरोप लगाया है कि 22 जून की रात अज्ञात लोगों ने उनकी रजिस्ट्रीशुदा जमीनों पर टपरियां और झोपड़ियां बनाकर कब्जा कर लिया सुबह जब प्लॉट मालिक मौके पर पहुंचे तो उन्हें इस घटना की जानकारी हुई जिसके बाद उन्होंने तत्काल प्रशासन और पुलिस से शिकायत की।

रजिस्ट्रीशुदा जमीन पर कब्जे का आरोप: भटनावर निवासी मातादीन पुत्र जगदीश प्रसाद गुप्ता और उमा गुप्ता ने बताया कि उन्होंने ग्राम मचाखुर्द के खसरा नंबर 313/1/2 में 2100 वर्गफीट का प्लॉट विधिवत रजिस्ट्री के माध्यम से खरीदा था। उनका आरोप है कि रात के अंधेरे में अज्ञात लोगों ने उनकी जमीन पर कब्जा करते हुए झोपड़ियां बना दीं पीड़ितों ने प्रशासन से तत्काल अतिक्रमण हटाने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

रास्ता बाधित होने से बढ़ी परेशानी: समसपुर निवासी राजकुमार धाकड़ और संजय कुमार धाकड़ ने भी इसी खसरा नंबर में अपने प्लॉट होने की पुष्टि की है। उनका कहना है कि अचानक हुए कब्जे के कारण उनके प्लॉट तक जाने वाला रास्ता पूरी तरह बाधित हो गया है, जिससे आवागमन में गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप की मांग की है।

एक ही रात में कई जगह कब्जे का दावा

किशनगंज निवासी राहुल नामदेव, मनीष नामदेव और भगवानलाल सोनी सहित अन्य भू-स्वामियों ने भी इसी तरह की शिकायत दर्ज कराई है उनका आरोप है कि सुनियोजित तरीके से एक ही रात में कई प्लॉटों के सामने झोपड़ियां बनाकर अतिक्रमण किया गया, जिससे पूरे क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई है।

प्रशासन की कार्रवाई शुरू: इस मामले में पोहरी एसडीएम जेपी गुप्ता ने पुष्टि की है कि उन्हें अवैध कब्जे की शिकायत प्राप्त हुई है उन्होंने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार और थाना प्रभारी को मौके पर जाकर स्थिति का निरीक्षण करने और आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है और जल्द ही रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की बात कही गई है।

– खनिज विभाग की सख्ती : एमसीबी जिले में रेत खदानों पर ड्रोन से निगरानी, अनियमितता पर नोटिस जारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। खनिज विभाग ने अवैध खनन और रेत के अनियमित भंडारण पर रोक लगाने के लिए अब हाईटेक ड्रोन निगरानी प्रणाली की शुरुआत की है विभाग की ओर से खनिज क्षेत्रों और रेत भंडारण स्थलों की लगातार ड्रोन सर्वे के माध्यम से निगरानी की जा रही है इस पहल का मुख्य उद्देश्य खनिज संसाधनों के अवैध दोहन को रोकना और राजस्व हानि पर अंकुश लगाना बताया जा रहा है।

कई क्षेत्रों में किया गया औचक निरीक्षण: खनिज संचालनालय के निर्देश पर केंद्रीय खनिज उड़नदस्ता दल ने एमसीबी जिले के विभिन्न क्षेत्रों में औचक निरीक्षण किया इस दौरान केवई पसौरी और हसदेव नदी क्षेत्र स्थित रेत खदानों तथा भंडारण स्थलों का ड्रोन से सर्वेक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ड्रोन से प्राप्त फुटेज और आंकड़ों के आधार पर रेत के भंडारण, परिवहन और वास्तविक मात्रा का सत्यापन किया गया।

हाईटेक ड्रोन से 24 घंटे निगरानी: विभाग द्वारा उपयोग में लाया जा रहा अत्याधुनिक ड्रोन आधुनिक कैमरों और सेंसरों से लैस है जो दिन-रात निगरानी करने में सक्षम है। विशेष बात यह है कि यह ड्रोन रात के समय लगभग 5 किलोमीटर दूर तक स्पष्ट फुटेज रिकॉर्ड कर सकता है जिससे दूरस्थ और संवेदनशील क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण संभव हो सकेगा। प्रशासन ने बताया कि अब 24 घंटे निगरानी सुनिश्चित की जाएगी निरीक्षण के दौरान कुछ रेत भंडारण स्थलों पर रिकॉर्ड और वास्तविक भंडारण मात्रा में अंतर पाया गया प्रारंभिक जांच में अनियमितताएं सामने आने के बाद संबंधित भंडारणकर्ताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं उन्हें तीन दिन के भीतर अपना पक्ष रखने के निर्देश दिए गए हैं विभाग ने स्पष्ट किया है कि संतोषजनक जवाब न मिलने या गड़बड़ी की पुष्टि होने पर नियमानुसार सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी ड्रोन तकनीक से बढ़ेगी पारदर्शिता जिला खनिज अधिकारी दयानंद तिग्गा ने बताया कि ड्रोन तकनीक के उपयोग से निरीक्षण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी तेज और प्रभावी होगी इससे अवैध उत्खनन परिवहन और भंडारण से जुड़ी गड़बड़ियों की सटीक जानकारी मिल सकेगी साथ ही मानव संसाधनों पर निर्भरता कम होगी और कम समय में बड़े क्षेत्र की निगरानी संभव हो पाएगी।

नैनो उर्वरकों से खेती में नई उम्मीद, किसान बृजलाल इस वर्ष करेंगे नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का उपयोग

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों के बढ़ते उपयोग के बीच अब जिले के किसान भी नवाचारों को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के ग्राम बिछली निवासी किसान बृजलाल इस वर्ष अपनी धान की फसल में नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी का प्रयोग करने जा रहे हैं पिछले वर्ष क्षेत्र के अन्य किसानों द्वारा इन उर्वरकों के उपयोग से मिले सकारात्मक परिणामों ने उन्हें भी इस तकनीक को अपनाने के लिए प्रेरित किया है।

कम लागत में बेहतर उत्पादन का अनुभव: बृजलाल ने बताया कि पिछले सीजन में गांव और आसपास के क्षेत्रों में कई किसानों ने नैनो उर्वरकों का उपयोग किया था किसानों के अनुभव के अनुसार पारंपरिक उर्वरकों की तुलना में कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त हुआ साथ ही फसल की गुणवत्ता में भी सुधार देखने को मिला इससे क्षेत्र में नैनो उर्वरकों के प्रति किसानों का भरोसा बढ़ा है।

फसल की गुणवत्ता में सुधार का दावा: किसानों ने बताया कि नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के उपयोग से फसल की वृद्धि बेहतर हुई, पौधे अधिक हरे-भरे और स्वस्थ दिखाई दिए तथा उत्पादन में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई किसी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव या अतिरिक्त समस्या सामने नहीं आई, जिससे किसानों का विश्वास और मजबूत हुआ है।

कृषि लागत घटाने में सहायक तकनीक: बृजलाल का कहना है कि बढ़ती कृषि लागत किसानों के लिए बड़ी चुनौती है ऐसे में नैनो उर्वरक कम मात्रा में उपयोग होकर भी प्रभावी परिणाम देते हैं जिससे उर्वरक खर्च कम होता है और उत्पादन क्षमता बढ़ती है।

समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी में लापरवाही, 105 करोड़ का भुगतान अटका, 11 हजार क्विंटल अमानक गेहूं लौटाया जाएगा

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी प्रक्रिया में गंभीर लापरवाही सामने आई है सोसायटी और स्व-सहायता समूहों द्वारा खरीदे गए गेहूं में गुणवत्ता मानकों (एफएक्यू) का पालन नहीं किया गया जिसके चलते अमानक स्तर का मिट्टी और कचरे से युक्त गेहूं एफसीआई और वेयरहाउस ने स्वीकार करने से इनकार कर दिया इस स्थिति के कारण खरीदी समाप्त होने के 22 दिन बाद भी सैकड़ों किसानों का करीब 105 करोड़ रुपए का भुगतान अटका हुआ है।

अमानक गेहूं की खरीदी पर सवाल: जानकारी के अनुसार खरीदी केंद्रों पर नॉन एफएक्यू श्रेणी का गेहूं बड़ी मात्रा में खरीदा गया, जिसे परिवहन के लिए एफसीआई और वेयरहाउस भेजा गया था लेकिन गुणवत्ता मानकों पर खरा न उतरने के कारण इस गेहूं को वापस लौटा दिया गया अब करीब 11 हजार क्विंटल गेहूं को संबंधित सोसायटियों के माध्यम से किसानों को लौटाने की तैयारी की जा रही है जिले में पहली बार खरीदा गया गेहूं किसानों को वापस किया जाएगा जिले में उपार्जन की आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार कुल 1530.96 करोड़ रुपए का भुगतान किसानों को किया जाना था, जिसमें से अब तक 1425 करोड़ रुपए का भुगतान हो चुका है वहीं करीब 105 करोड़ रुपए अभी भी किसानों के खातों में नहीं पहुंचे हैं भुगतान में देरी के कारण किसानों को खाद, बीज और अन्य कृषि कार्यों के लिए आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है

एफसीआई ने दो बार लौटाया गेहूं: प्रशासनिक जानकारी के अनुसार, एफसीआई और वेयरहाउस ने पहले चरण में लौटाए गए गेहूं को सुधार के लिए वापस भेजा था। सुधार के बाद इसे पुनः एफसीआई को भेजा गया, लेकिन दूसरी बार भी लगभग 11 हजार क्विंटल गेहूं को अमानक मानते हुए संबंधित समितियों को लौटा दिया गया।

योग दिवस पर मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की कमल छाप पोशाक पर सियासी विवाद, कांग्रेस-भाजपा आमने-सामने

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एमसीबी जिले में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की एक तस्वीर राजनीतिक बहस का कारण बन गई है इस तस्वीर में मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े योग करते हुए कमल छाप डिजाइन वाले वस्त्र पहने नजर आईं, जिसके बाद कांग्रेस और भाजपा के बीच तीखी राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई है कांग्रेस ने उठाए सवाल इस तस्वीर को लेकर कांग्रेस ने भाजपा पर निशाना साधते हुए इसे आपत्तिजनक बताया है। पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने कहा कि जिस कमल चुनाव चिन्ह के सहारे भाजपा सत्ता में आई है, उसी प्रतीक के ऊपर पैर रखकर योग करना उचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि यही स्थिति किसी विपक्षी दल के नेता की होती तो भाजपा इसे संस्कृति और आस्था का अपमान बताते हुए बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना देती कमरो ने आगे कहा कि सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं को अपने आचरण में उन मूल्यों का पालन करना चाहिए, जिनकी वे सार्वजनिक रूप से वकालत करते हैं। उन्होंने भाजपा नेताओं से इस मामले में स्थिति स्पष्ट करने की मांग भी की भाजपा ने बताया बेबुनियाद विवाद वहीं इस मामले पर भाजपा ने कांग्रेस के आरोपों को सिरे से खारिज किया है। सूरजपुर भाजपा जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी ने कहा कि मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के वस्त्र पर बना फूल भाजपा के चुनाव चिन्ह 'कमल' जैसा नहीं है और दोनों में स्पष्ट अंतर है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास कोई वास्तविक मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए वह अनावश्यक विवाद खड़ा कर रही है भाजपा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह बिना आधार के राजनीतिक बयान देकर जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है सोशल मीडिया पर भी गरमाई बहस इस घटना के बाद मामला राजनीतिक बयानबाजी तक ही सीमित नहीं रहा बल्कि सोशल मीडिया पर भी इसे लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं समर्थक इसे योग दिवस की सामान्य गतिविधि बता रहे हैं जबकि विपक्ष इसे प्रतीकात्मक राजनीति से जोड़कर देख रहा है राजनीतिक तापमान बढ़ा योग दिवस जैसे गैर-राजनीतिक कार्यक्रम में इस तरह के विवाद ने क्षेत्रीय राजनीति को गर्मा दिया है। दोनों दल अपने-अपने तर्कों के साथ आमने-सामने हैं और मामला अब सार्वजनिक चर्चा का विषय बन गया है।

मानसून की एंट्री में देरी :सोयाबीन बोवनी की राह देख रहे किसान, चिपचिपी गर्मी-उमस से लोग बेहाल

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। दोपहर में चिलचिलाती धूप पड़ रही मप्र में इस बार मानसून के आने में देरी हो रही है जिससे सोयाबीन की बोवनी में पिछड़ेगी किसान आसमान की ओर टकटकी लगाएं बैठा है जैसे ही बारिश हो और वो बोवनी में जुटे वहीं बारिश नहीं होने से जिले में भीषण गर्मी तपन और उमस से लोग परेशान है दिन और रात दोनों के तापमान में उतार चढ़ाव की स्थिति बनी है हिल स्टेशन पचमढ़ी में भी बारिश नहीं होने से गर्मी अधिक पड़ रही है इस बार मानसून तय समय से करीब 10 दिन पीछे है 15 से 17 जून तक नर्मदापुरम में मानसून आ जाता है लेकिन इस बार अभी तक गर्मी पड़ रही है अभी मानसून की एंट्री में 4,5दिन और लगने की सम्भावना है इस साल अल-नीनो के प्रभाव और कमजोर ला-नीना की स्थिति के चलते मानसून की गति धीमी है। इस सीजन में मानसून तेलंगाना के भद्राचलम के पास कुछ दिन अटका रहा इस कारण संभाग में इसकी एंट्री में समय लग रहा है दक्षिण पश्चिम से मानसून की लेट एंट्री मौसमविद एसएन साहू ने बताया दक्षिण-पश्चिम मानसून की उत्तरी सीमा वर्तमान में रुकी है। हालांकि, 23 जून के आसपास इसके महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बन रही हैं 22 से 24 जून के दौरान कहीं-कहीं गरज-चमक, वज्रपात और 40-50 किमी घंटा की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं चलने की चेतावनी दी गई है जिले में मानसून के पहुंचने में अभी एक सप्ताह का समय लग सकता है पांच दिनों का तापमान पिछले पांच दिनों में नर्मदापुरम और पचमढ़ी के तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिला।

30 साल छोटी भतीजी को ले भागा फूफा खंडवा में दोनों ने जहर खाया नाबालिग की मौत; मांग में सिंदूर, गले पर मंगलसूत्र मिला

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा में 15 वर्षीय नाबालिग लड़की को फूफा घर से भगाकर ले गया। परिवार को जानकारी मिली तो उन्होंने फूफा से संपर्क कर बेटी को लेकर घर बुलाया। घर आते वक्त रास्ते में दोनों ने जहर खा लिया। दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान नाबालिग ने दम तोड़ दिया। वहीं फूफा की हालत गंभीर है। इधर, पोस्टमॉर्टम के दौरान मृतक की मांग में सिंदूर और गले पर मंगलसूत्र था। मृतक की मांग में सिंदूर और गले में मंगलसूत्र था। इससे स्पष्ट हुआ कि 45 वर्षीय फूफा ने नाबालिग से शादी कर ली थी। दोनों की उम्र में फासले का अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि फूफा के बच्चों की भी शादी हो चुकी है।

फूफा को पहले लगा था लड़की बालिग है: शुरुआती जांच में सामने आया कि 19 जून भतीजी को भगा कर फूफा गांव ले गया। 20 जून को उसकी ससुराल वालों से चर्चा हुई। फूफा को लग रहा था कि लड़की बालिग है और करीब 20 साल की है। बाद में ससुराल वालों ने बताया कि बेटी नाबालिग है। उसकी उम्र महज 15 साल 8 महीने है। इससे फूफा डर गया। उसे लगा कि अब पुलिस में शिकायत होगी और उस पर कार्रवाई हो सकती है। इसलिए उसने भतीजी के साथ जान देने का फैसला किया। रविवार को गांव से ससुराल लौटते समय पंधाना से पहले दीवाल गांव के पास उसने बाइक रोकी और नाबालिग के साथ जहर खा लिया।

पंधाना अस्पताल से खंडवा रेफर किया: राहगीरों ने एम्बुलेंस को सूचना दी। दोनों को पंधाना स्थित सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां से डॉक्टरों ने खंडवा रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान भतीजी ने दम तोड़ दिया। वहीं फूफा की हालत गंभीर है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर फूफा के खिलाफ केस दर्ज किया जाएगा। परिजन ने फूफा पर बेटी की हत्या का आरोप लगाया है। पंधाना टीआई दिलीप देवड़ा ने कहा कि फिलहाल सूचना नहीं आई है। अस्पताल चौकी से डायरी मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कार ने पहले बाइक फिर ईको को टक्कर मारी: रायसेन में बाइक सवार की मौत वैन सवार पांच यात्री घायल

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के सांची थाना क्षेत्र में रविवार शाम तेज रफ्तार एक्सयूवी ने दो वाहनों को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक मोटरसाइकिल सवार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ईको कार में सवार पांच लोग घायल हो गए। टक्कर के बाद एक्सयूवी चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। यह घटना रविवार शाम करीब 5 बजे सलामतपुर के त्रिमूर्ति चौराहा से आगे रायसेन रोड पर चौकसे मैरिज गार्डन के सामने हुई। तेज रफ्तार एक्सयूवी ने सबसे पहले पीछे से एक मोटरसाइकिल को टक्कर मारी। इस दुर्घटना में सलामतपुर निवासी मोहम्मद अब्दुल्ला (लगभग 45 वर्ष) पुत्र पीर खान की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

ईको खेत में उतरी: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मोटरसाइकिल को टक्कर मारने के बाद अनियंत्रित एक्सयूवी सड़क किनारे खड़ी एक ईको कार से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ईको कार सड़क किनारे खेत में जा गिरी। कार में सवार पांच लोग घायल हो गए, जिन्हें सांची और विदिशा के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

कार ड्राइवर गाड़ी छोड़कर फरार: हादसे के बाद एक्सयूवी चालक अपना वाहन मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलने पर सांची थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और एक्सयूवी को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक मोहम्मद अब्दुल्ला के शव को जिला अस्पताल रायसेन की मर्चुरी में रखवाया गया है, जहां सोमवार को पोस्टमार्टम किया जाएगा।

ट्रक ओवरटेक करने पर दो कारों में भिड़ंत खुरई में दूल्हा-दुल्हन समेत 8 घायल्र सभी सागर रेफर; बारात से लौट रहे थे

मीडिया ऑडीटर, बीना (निप्र)। खुरई बायपास रोड पर सोमवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जहां दो कारों की आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत में दूल्हा-दुल्हन समेत आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना टीहर चौराहा के पास उस वक्त हुई, जब विदाई के बाद बारात से लौट रही कार को सामने से आ रही एक तेज रफ्तार गाड़ी ने टक्कर मार दी। सभी घायलों की नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें प्राथमिक इलाज के बाद सागर रेफर किया गया है।

ट्रक को ओवरटेक करने के चक्कर में हादसा: जानकारी के मुताबिक, खुरई देहात थाना क्षेत्र के तोड़ा काछी गांव के रहने वाले प्रहलाद कुशवाहा की शादी बीना के बेसरा गांव की पूजा कुशवाहा से हुई थी। शादी की रस्में पूरी होने और दुल्हन की विदाई के बाद सभी लोग अर्टिका कार से वापस लौट रहे थे। तभी सागर की ओर से आ रही एक सफारी कार ने सामने चल रहे ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश की और वह सीधे दूल्हा-दुल्हन की कार के सामने आ गई।

नर्मदापुरम में मानसून की एंट्री में देरी सोयाबीन बोवनी की राह देख रहे किसान चिपचिपी गर्मी-उमस से लोग बेहाल

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। मप्र में इस बार मानसून के आने में देरी हो रही है। जिससे सोयाबीन की बोवनी में पिछड़ेगी। किसान आसमान की ओर टकटकी लगाएं बैठा है, जैसे ही बारिश हो और वो बोवनी में जुटे। वहीं बारिश नहीं होने से जिले में भीषण गर्मी, तपन और उमस से लोग परेशान है। दिन और रात दोनों के तापमान में उतार चढ़ाव की स्थिति बनी है। हिल स्टेशन पचमढ़ी में भी बारिश नहीं होने से गर्मी अधिक पड़ रही है। इस बार मानसून तय समय से करीब 10 दिन पीछे है। 15 से 17 जून तक नर्मदापुरम में मानसून आ जाता है लेकिन इस बार अभी तक गर्मी पड़ रही है। अभी मानसून की एंट्री में 4,5दिन ओर लगने की सम्भावना है। इस साल अल-नीनो के प्रभाव और कमजोर ला-नीना की स्थिति के चलते मानसून की गति धीमी है। इस सीजन में मानसून तेलंगाना के भद्राचलम के पास कुछ दिन अटका रहा, इस कारण संभाग में इसकी एंट्री में समय लग रहा है।

दक्षिण पश्चिम से मानसून की लेट एंट्री : मौसमविद एसएन साहू ने बताया दक्षिण-पश्चिम मानसून की उत्तरी सीमा वर्तमान में रुकी है। हालांकि, 23 जून के आसपास इसके महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बन रही हैं। 22 से 24 जून के दौरान कहीं-कहीं गरज-चमक, वज्रपात और 40-50 किमी घंटा की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं चलने की चेतावनी दी गई है। जिले में मानसून के पहुंचने में अभी एक सप्ताह का समय लग सकता है।

पांच दिनों का तापमान: पिछले पांच दिनों में नर्मदापुरम और पचमढ़ी के तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। 17 जून को नर्मदापुरम का अधिकतम तापमान 37.2 डिग्री सेल्सियस और पचमढ़ी का 34.0 डिग्री दर्ज किया गया। 18 जून को तापमान बढ़कर क्रमशः 38.2 और 35.0 डिग्री पहुंच गया। 19 जून को नर्मदापुरम में सबसे अधिक 39.1 डिग्री तथा पचमढ़ी में 34.8 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। 20 जून को नर्मदापुरम का तापमान 38.6 डिग्री और पचमढ़ी का 35.6 डिग्री दर्ज हुआ, जो इस अवधि में पचमढ़ी का सर्वाधिक तापमान रहा। वहीं 21 जून को दोनों स्थानों पर तापमान में गिरावट आई और नर्मदापुरम में 37.8 डिग्री तथा पचमढ़ी में 32.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

खरगोन में किसान टैंकर से पानी डाल कर रहे सिंचाई:मानसूनी बारिश न होने की वजह से 50 कुएं सूखे

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले में बारिश की कमी के कारण फसलों पर संकट गहरा गया है। टांडाबरुड क्षेत्र में गर्मी की मिर्च फसल को बचाना मुश्किल हो रहा है। क्षेत्र में भूजल स्तर काफी नीचे चला गया है, जिससे 20 कुएं पूरी तरह सूख चुके हैं और 50 से अधिक कुओं में पानी कम हो गया है। किसान मुरझाती फसलों को बचाने के लिए टैंकरों से पानी डालकर सिंचाई कर रहे हैं। देवली के किसान राकेश कोचले ने डेढ़ एकड़ में मिर्च की फसल लगाई है। लगभग एक महीने की इस फसल पर अब तक 50 हजार रुपये खर्च हो चुके हैं। जिस कुएं के भरोसे सिंचाई की जानी थी, वह सूख गया है। राकेश बताते हैं कि बारिश का इंतजार करते-करते मिर्च की फसल सूखने लगी है।

टैंकर और डीजल पर खर्च हो रहा पैसा: कई अन्य खेतों के कुएं भी सूख रहे हैं। किसान रामेश्वर कुमरावत के कुएं से निःशुल्क पानी मिल रहा है, लेकिन टैंकर के भाड़े और डीजल पर प्रतिदिन 1000 रुपये का खर्च आ रहा है, जिससे किसानों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। खरगोन में पिछले साल 16 जून को मानसून ने दस्तक दी थी, लेकिन इस साल अब तक मानसून पूर्व की गतिविधियां भी शुरू नहीं हुई हैं। जिले में अब तक केवल 5.5 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो सामान्य 71.2 मिमी से 66 मिमी कम है। मौसम वैज्ञानिकों ने महीने के आखिरी सप्ताह में बारिश की संभावना जताई है।

छतरपुर में आकाशीय बिजली गिरने से किशोरी की मौत

आम के पेड़ के नीचे खड़ी चचेरी बहन घायल, जिला अस्पताल में भर्ती

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के बड़ामलहरा थाना क्षेत्र के ग्राम महाराजगंज में आकाशीय बिजली गिरने से एक दर्दनाक हादसा हो गया। रविवार को खेत पर गई दो चचेरी बहनें बारिश से बचने के लिए आम के पेड़ के नीचे खड़ी थीं, तभी अचानक बिजली गिर गई। हादसे में 12 वर्षीय किशोरी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी चचेरी बहन गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल किशोरी का जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

खेत पर गई थीं दोनों चचेरी बहनें: जानकारी के अनुसार महाराजगंज निवासी आरती अहिरवार (12) पुत्री प्रेमलाल अहिरवार और रोशनी अहिरवार (16) पुत्री लल्लू अहिरवार अपने खेत पर गई हुई थीं। इसी दौरान मौसम ने अचानक करवट ले ली। क्षेत्र में तेज गरज-चमक के साथ बारिश शुरू हो गई, जिससे दोनों किशोरियां खेत में फंस गईं।

बारिश से बचने पेड़ के नीचे पहुंचीं: बारिश और तेज गर्जना से बचने के लिए दोनों बहनें खेत के पास स्थित एक आम के पेड़ के नीचे जाकर खड़ी हो गईं। उन्हें लगा कि पेड़ के नीचे खड़े रहने से वे बारिश से बच जाएंगी। लेकिन कुछ ही देर बाद अचानक आकाशीय बिजली उसी क्षेत्र में गिर गई और दोनों उसकी चपेट में आ गईं।

मौके पर ही चली गई आरती की जान: बिजली गिरने की घटना इतनी तेज थी कि 12 वर्षीय आरती अहिरवार ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों के अनुसार बिजली गिरने की तेज आवाज सुनाई दी, जिसके बाद लोग घटनास्थल की ओर दौड़े।

रोशनी गंभीर रूप से घायल: हादसे में रोशनी अहिरवार गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे तत्काल परिजनों और ग्रामीणों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है।

सूचना मिलते ही पहुंचे परिजन घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। आरती की मौत से परिवार में मातम का माहौल है, जबकि घायल रोशनी के स्वास्थ्य को लेकर परिजन चिंतित हैं। गांव में इस हादसे के बाद शोक की स्थिति बनी हुई है।

पुलिस ने शुरू की कार्रवाई: घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मामले की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने घटना का पंचनामा तैयार कर आगे की वैधानिक प्रक्रिया शुरू की। स्थानीय प्रशासन ने भी लोगों से खराब मौसम के दौरान खुले मैदानों और पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचने की अपील की है, क्योंकि आकाशीय बिजली के दौरान ऐसे स्थान सबसे अधिक जोखिम वाले माने जाते हैं।

एडीआईपी योजना के तहत दिव्यांगजनों के लिए प्रशिक्षण एवं सहायक उपकरण चिन्हांकन शिविरों का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। भारत सरकार की एडीआईपी (ADIP) योजना के अंतर्गत दिव्यांगजनों को लाभान्वित करने तथा उन्हें आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विदिशा जिले में विभिन्न विकासखंडों में प्रशिक्षण एवं चिन्हांकन शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इस संबंध में जिला पंचायत (सामाजिक न्याय विभाग) विदिशा द्वारा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत विदिशा द्वारा जारी पत्र के अनुसार, भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अधीन संचालित एडीआईपी योजना के तहत ऐसे दिव्यांगजन, जिन्हें पिछले तीन वर्षों में निःशुल्क सहायक उपकरण प्राप्त नहीं हुए हैं तथा मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल हेतु जिन लाभार्थियों को पांच वर्ष पूर्व सहायता मिली थी, उन्हें पुनः पात्रता के आधार पर लाभान्वित किया जाएगा। शिविरों में दिव्यांगजनों की आवश्यकता के अनुसार विभिन्न सहायक उपकरणों के लिए चिन्हांकन किया जाएगा। इनमें व्हीलचेयर, बैसाखी, ट्राइसाइकिल, मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, श्रवण यंत्र, कृत्रिम अंग, एल्बो स्टिक, वॉकर, स्मार्ट केन तथा अन्य आवश्यक उपकरण शामिल हैं।विभिन्न विकासखंडों में आयोजित होंगे शिविर जारी कार्यक्रम के अनुसार शिविरों का आयोजन निम्नानुसार किया जाएगा जनपद पंचायत परिसर, 22 जून को ग्यारसपुर जनपद पंचायत परिसर में 23 जून को कुरवाई के आजीविका भवन में 24 जून को सिरोंज के आजीविका भवन में 25 जून को तथा लटेरी जनपद पंचायत परिसर मे 27 जून को नटेरन जनपद पंचायत परिसर में 29 जून को और विदिशा के जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में 30 जून को शिविर आयोजित किया गया है। नियत तिथि व स्थल पर शिविर पूर्वाहन 11 बजे से शुरू होंगे।

आवश्यक दस्तावेज साथ लाना अनिवार्य : शिविर में पंजीयन एवं चिन्हांकन के लिए दिव्यांगजनों को यूडीआईडी (UDID) कार्ड अथवा 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, समग्र आईडी, मोबाइल नंबर, पासपोर्ट आकार के फोटो तथा आय प्रमाण-पत्र सहित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल हेतु 80 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता वाले पात्र हितग्राहियों को प्राथमिकता दी जाएगी।

अधिकारियों को दिए गए आवश्यक निर्देश: जिला पंचायत द्वारा संबंधित जनपद पंचायतों, नगरपालिकाओं एवं सामाजिक सुरक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के ग्रामीण एवं शहरी दिव्यांगजनों को शिविरों की जानकारी देकर अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करें।

सीहोर में 2.78 इंच औसत बारिश दर्ज इछावर-भैरूंदा में पौने 5 इंच वर्षा, पिछले साल से बेहतर मॉनसून

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर में चालू मानसून सीजन की शुरुआत अच्छी रही है। 22 जून तक जिले में कुल 2.78 इंच औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। रविवार दोपहर करीब एक बजे के बाद मौसम ने करवट ली और जिले के कई हिस्सों में बारिश हुई। बारिश के बाद लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली, वहीं किसानों की उम्मीदें भी बढ़ गई हैं।

दोपहर बाद बदला मौसम का मिजाज: रविवार दोपहर तक जिले में गर्मी और उमस का असर बना हुआ था, लेकिन एक बजे के बाद मौसम अचानक बदला और बारिश शुरू हो गई। बारिश के चलते तापमान में गिरावट दर्ज की गई और लोगों ने राहत महसूस की।जिला भू-अभिलेख शाखा द्वारा जारी दैनिक वर्षा रिपोर्ट के अनुसार 1 जून से 22 जून तक जिले में औसतन 2.78 इंच वर्षा दर्ज की गई है। यह आंकड़ा मानसून सीजन की अच्छी शुरुआत की ओर संकेत करता है।

बीते 24 घंटे में इछावर रहा सबसे आगे: रिपोर्ट के अनुसार बीते 24 घंटों में इछावर वर्षामापी केंद्र में सबसे अधिक 0.43 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। इस दौरान जिले की औसत दैनिक वर्षा 0.05 इंच रही। 1 जून से 22 जून तक के आंकड़ों के अनुसार जिले के इछावर और भैरूंदा वर्षामापी केंद्रों पर सबसे अधिक 4.68 इंच वर्षा दर्ज की गई है। यह जिले में अब तक का सर्वोच्च वर्षा आंकड़ा है। अन्य केंद्रों पर यह रही स्थिति जिले के अन्य वर्षामापी केंद्रों पर भी अच्छी बारिश दर्ज की गई है। बुधनी में 2.93 इंच, आष्टा में 2.44 इंच, श्यामपुर में 1.49 इंच और रेहटी में 1.36 इंच वर्षा रिकॉर्ड की गई। वहीं जावर केंद्र पर अब तक सबसे कम 1.22 इंच बारिश दर्ज हुई है। पिछले वर्ष 22 जून तक जिले की औसत कुल वर्षा 2.45 इंच थी।

रतलाम-बांसवाड़ा रोड पर ट्रक-बाइक भिड़ंत, चचेरे भाई-बहन की मौत

हादसे के बाद भागा ड्राइवर, दानपुर के आगे ट्रक पकड़कर पुलिस ने किया जब्त

मीडिया ऑडीटर,रतलाम (निप्र)। रतलाम-बांसवाड़ा रोड पर रविवार रात ट्रक व बाइक की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भयंकर थी कि बाइक सवार महिला-पुरुष दूर जा गिरे। इससे दोनों की मौके पर मौत हो गई। सूचना मिलने पर रात में पुलिस पहुंची। घायलों को रतलाम मेडिकल कॉलेज भेजा। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सोमवार सुबह पीएम के बाद शव परिजनों को सौंपें। हादसे में दुर्गा (40) पति रकमा खराड़ी व अरविंद उर्फ कालू (25) पिता ईश्वर निनामा दोनों निवासी तलवानी सरवन थाना की मौत हो गई। सरवन थाना प्रभारी अर्जुन सेमलिया ने बताया कि हादसा रविवार रात करीब 11 बजे हुआ। मृतक रिश्ते में चचेरे भाई बहन हैं। पल्सर बाइक से आ रहे थे। रात में यह दोनों पल्सर बाइक से गांव तलवानी से सरवन की तरफ किसी रिश्तेदारी के कार्यक्रम में जा रहे थे। इस दौरान सरवन थाने से करीब 1 किमी दूर गांव श्यामपुरा के पास रतलाम की तरफ से आर रहे सोयाबीन से भरे ट्रक से भिंड़त हो गई। जिससे दोनों की मौके पर मौत हो गई। रात में दोनों के शव मेडिकल कॉलेज भेजे गए। सुबह पीएम के बाद परिजनों को शव सौंपे।

उज्जैन से बांसवाड़ा जा रहा था ट्रक: ट्रक उज्जैन से सोयाबीन भरकर राजस्थान के बांसवाड़ा जा रहा था। रात में टक्कर की सूचना के बाद पुलिस ने दानपुर तक रोड पर ट्रक की सर्चिंग की। सीसीटीवी भी देखे। सर्चिंग के दौरान एक ट्रक दानपुर के आगे खड़ा मिला। ड्राइवर से पुलिस ने पूछताछ की। लेकिन उसने किसी भी दुर्घटना से मना किया। ट्रक पर टक्कर के निशान व ड्रायवर के बातचीत के तरीके से पुलिस समझ गई कि इसी ट्रक से टक्कर लगी है। पुलिस ने सख्ती दिखाई तो सच्चाई सामने आ गई। रात में पुलिस ट्रक को जब्त कर थाने ले आई। पुलिस केस दर्ज कर घटनाक्रम की जांच में जुटी है।

परिजनों के बयान नहीं हुए: थाना प्रभारी अर्जुन सेमलिया के अनुसार पीएम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिए हैं। रात में दोनों कहां जा रहे थे अभी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है। परिजनों के बयान होना बाकी है। ट्रक को जब्त कर लिया है। घटनाक्रम की जांच की जा रही है।

आत्मा परियोजना अंतर्गत प्राकृतिक, जैविक खेती कार्यशाला का शुभारंभ किसानों को प्राकृतिक, जैविक खेती अपनाने का दिया संदेश

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। कृषि महाविद्यालय गंजबासौदा में आत्मा परियोजना अंतर्गत प्राकृतिक और जैविक खेती कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नीतू रघुवंशी अध्यक्ष जनपद पंचायत बासौदा, विशिष्ट अतिथियों गायत्री रघुवंशी जिला जनपद सदस्य, श्री गौरव परमार, श्री पंकज नायक, अंजलि यादव, पूर्व अध्यक्ष जनपद पंचायत बासौदा द्वारा किया गया। कार्यशाला में कृषि विभाग के उप संचालक कृषि श्री सचिन जैन, कृषि वैज्ञानिकों एवं बड़ी संख्या में प्रगतिशील कृषकों ने भाग लिया। कृषि वैज्ञानिक डॉ. विनोद गर्ग, डॉ. प्रवीण जगा और डॉ. प्रीति चौहान ने किसानों को रासायनिक खेती से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए प्राकृतिक खेती के लाभों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती से मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है, पर्यावरण संरक्षण होता है तथा मानव, पशु-पक्षियों एवं अन्य जीव-जंतुओं के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वैज्ञानिकों ने किसानों को प्राकृतिक खेती की विभिन्न तकनीकों एवं विधियों की विस्तृत जानकारी भी प्रदान की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नीतू रघुवंशी ने किसानों से अपने परिवार के लिए प्राकृतिक खेती अपनाने की अपील की। गायत्री रघुवंशी ने केंद्र एवं मध्यप्रदेश सरकार द्वारा किसानों के हित में संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। अंजली यादव ने किसानों को जैविक खेती के साथ-साथ उद्यान की फैसले व पशुपालन को भी अपनाने की सलाह दी।

बीसीसीआई ने इंग्लैंड दौरे के लिए घोषित की टीम

रोहित-कोहली की वापसी यशस्वी बाहर हुए

मुम्बई ,एजेसीं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने इंग्लैंड दौरे में होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित कर दी है। टीम की कप्तानी शुभमन गिल के पास रहेगी। वहीं पिछले काफी समय से बाहर चल रहे अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली की टीम में वापसी हो गयी है पर युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को टीम में जगह नहीं मिली है जिसपर सभी हैरान हैं। वहीं ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या चोटिल होने के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गये हैं। अफगानिस्तान सीरीज में अधिक रन नहीं बनाने के बाद भी रोहित की टीम में वापसी हुई है पर अफगानिस्तान के खिलाफ अंतिम एकदिवसीय में शतक के बाद भी यशस्वी को बाहर कर दिया गया है। कप्तान शुभमन गिल ने हाल ही में कहा था कि टीम चयन अंतिम फैसला खिलाड़ियों की फिटनेस व सर्वश्रेष्ठ संयोजन को ध्यान में रखकर लिया जाएगा। गौरतलब है कि आईपीएल 2026 फाइनल के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट से परेशान रहे विराट कोहली को टीम में शामिल किया गया है पर वह फिटनेस क्लियरेंस मिलने के बाद ही मैदान पर उतरेंगे। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी करीब तीन साल बाद एकदिवसीय टीम में वापसी हुई है। उन्होंने अपना अंतिम एकदिवसीय मैच 2023 विश्व कप फाइनल में खेला था। वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को आराम दिया गया है जबकि युवा प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और गुरनूर बरार को टीम में बनाये रखा है। गौरतलब है कि भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 और तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी।

टीम इस प्रकार है :

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली*, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, नितीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और गुरनूर बरार।

शुभमन ने यशस्वी को बेहतरीन बल्लेबाज बनाया

टीम में कई बार जगह नहीं मिलने का भी कारण बताया

मुम्बई ,एजेसीं। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में शतक लगाकर टीम की जीत में हम भूमिका निभाने वाले बल्लेबाज सशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा की है। यशस्वी ने इस मैच में 110 रनों की पारी खेली। भारतीय टीम ने इस मैच में टीम ने 9 विकेट से जीत के साथ ही सीरीज अपने नाम की। मैच में यशस्वी ने अपने एकदिवसीय करियर का दूसरा शतक जड़ा। यह उपलब्धि उन्होंने केवल छठी पारी में हासिल की जीत के बाद, शुभमन ने यशस्वी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि टीम में कड़ी प्रतिस्पर्धा होने के कारण कई बार यशस्वी को बाहर बैठना पड़ा है पर इसका मतलब प्रदर्शन से नहीं है। शुभमन ने यशस्वी को एक बेहतरीन और शानदार खिलाड़ी करार दिया। साथ ही माना है कि टीम में जगह को लेकर होने वाली कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण कभी-कभी उन्हें बाहर बैठना पड़ता है। गिल ने कहा, हम सभी भली-भांति जानते हैं कि वह एक बेहतरीन और शानदार खिलाड़ी हैं। किसी भी खिलाड़ी के लिए टीम से बाहर बैठना आसान नहीं होता। सच तो यह है कि अगर टीम के सभी मुख्य खिलाड़ी उपलब्ध हों, तो यशस्वी वह बदकिस्मत खिलाड़ी बन जाते हैं जिन्हें कभी-कभी अंतिम ग्यार से बाहर बैठना पड़ता है। कप्तान ने इस बात पर खुशी जताई कि जायसवाल ने इस श्रृंखला में मिले मौकों को बखूबी भुनाया और भविष्य में भी इसी तरह के बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद जताई।

रोहित एकदिवसीय में 50 से अधिक रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज बने

चेन्नई ,एजेसीं। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने अफगानिस्तान के खिलाफ हुए अंतिम एकदिवसीय मैच में अपनी 79 रनों की पारी के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। रोहित अब भारतीय टीम की ओर से एकदिवसीय में सबसे ज्यादा बार 50 से अधिक रन बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गये हैं। इस दौरान उन्होंने राहुल द्रविड़ को पीछे छोड़ा। रोहित ने अपनी 69 गेंद में 79 रन की पारी से द्रविड़ का एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया। चेपॉक स्टेडियम में घरेलू दर्शकों के बीच नौ चौके और तीन छक्के मारने वाले रोहित शर्मा

रोहित 277 एकदिवसीय पारियों में 95 बार 50 या उससे ज्यादा बार 50 से अधिक रन बनाये हैं। इसी के साथ उन्होंने द्रविड़ के 94 बार 50 से अधिक रनों के स्कोर को पीछे छोड़ दिया। अब इस सूची में रोहित से पहले केवल विराट कोहली और महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ही हैं। वहीं पांचवें नंबर पर पूर्व कप्तान सौरव गांगुली हैं। गांगुली ने 93 बार एकदिवसीय फॉर्मेट में 50 से अधिक रन बनाये हैं। एकदिवसीय में भारतीय टीम की ओर से 50 से अधिक रन सबसे अधिक बार सचिन ने 145 बार बनाये हैं। दूसरे नंबर पर रहे विराट कोहली ने 131 बार 50 से अधिक रन बनाये हैं।

फीफा विश्व कप 2026 में गुलाबी जूतों का चलन बढ़ा

न्यूयॉर्क ,एजेसीं। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेले जा रहे फीफा विश्व कप फुटबॉल में स्टार खिलाड़ी अपने अलग ही अंदाज में दिखते है। इस बार अधिकतर स्टार खिलाड़ी गुलाबी जूते पहनकर खेलते दिख रहे हैं। इस कारण विश्वकप कप में गुलाबी जूते पहने खिलाड़ी छाये हुए हैं। इससे ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ी उन्हें पसंद कर रहे हैं। अमेरिका के युवा फुटबॉलर जियो रेना ने टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में ही गुलाबी जूतों में एक यादगार गोल दागकर अपना प्रभाव दिखाया है। वहीं ब्राजील के स्टार खिलाड़ी विनीसियस जूनियर भी अपने पहले ही मुकाबले में ध्यान खींचा, उनके पैरों में भी चमकीले गुलाबी पहनकर मैदान में छाये हुए थे। वहीं फ्रांस के स्टार खिलाड़ किलियान एमबाप्पे ने भी दो गोल दागने के दौरान गुलाबी जूते ही पहने थे। इसके अलावा इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने भी दो गोल लगाकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी की और वह भी गुलाबी जूतों में ही नजर आये थे। मैदान गुलाबी जूते पहने खिलाड़ी दूर से ही अलग नजर आ जाते हैं। यही कारण है कि इस रंग के जूते पहने खिलाड़ी आकर्षण का केंद्र बन जाते हैं। यही वजह है कि कई बड़ी स्पोर्ट्स कंपनियों ने भी इनके विशेष डिजाइन तैयार किए हैं। नाइकी के ग्लोबल फुटवियर निदेशक, ओडिंगा निमाको के अनुसार, यह रंग सिर्फ एक फैशन स्टेटमेंट नहीं है, बल्कि खिलाड़ी इसे आत्मविश्वास, ऊर्जा और अपनी व्यक्तिगत पहचान के प्रतीक के रूप में देखते हैं। दर्शकों के बीच भी यह रंग तेजी से छा रहा है।

साल 1998 के विश्व कप में पहली बार रंगीन फुटबॉल जूतों का चलन शुरु हुआ था। उससे पहले तक काले और सफेद रंग के जूते ही पहने जाते में थे। वहीं अब नाइकी, एडीडास, प्यूमा, स्केचर्स और न्यू बैलेंस जैसी दुनिया की दिग्गज खेल निर्मात कंपनियाँ भी बड़े स्तर पर गुलाबी रंग के जूतों को बाजार में उतार चुकी हैं।

शाहिदी एक विशेष कलब का हिस्सा बने

चेन्नई ,एजेसीं। अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी अपने एकदिवसीय करियर में 13 साल के बाद पहला शतक लगाने के साथ ही दिग्गज क्रिकेटरों के खास क्लब का हिस्सा बन गये हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारी दबाव के बीच ही एक दशक से भी अधिक समय तक अपने को लगातार साबित करते रहना और अपने पहले शतक के लिए इतने लंबे इंतजार के बाद सफलता प्राप्त करना आसान नहीं है पर शहिदी निराश नहीं हुए। इसी कारण वह भारत के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में 102 रनों की यादगार पारी खेलने में सफल रहे।

साल 2013 में अंतरराष्ट्रीय वनडे क्रिकेट में कदम रखने वाले शाहिदी को अपने पहले शतक तक पहुंचने में पूरे 4644 दिन का अविश्वसनीय रूप से लंबा सफर तय करना पड़ा। यह यात्रा इतनी लंबी और संघर्षपूर्ण थी कि इसने क्रिकेट प्रेमियों को गुजरे दौर के उन महान बल्लेबाजों की याद दिला दी जिन्होंने भी अपने करियर में ऐसे ही किसी खास मुकाम के लिए लंबा इंतजार किया था। एकदिवसीयच डेब्यू से लेकर पहले शतक के बीच सबसे ज्यादा दिनों के इंतजार के मामले में, शाहिदी अब दुनिया के चौथे बल्लेबाज बन गए हैं, और इस सूची में उनका नाम जुड़ना उनके धैर्य और दृढ़ संकल्प को दिखाता है। इस ऐतिहासिक और बेहद खास क्लब में सबसे ऊपर जिम्बाब्वे के बल्लेबाज रेगिस चकाबवा हैं, जिन्हें अपने पहले एकदिवसीय शतक के लिए 5040 दिनों का एक अकल्पनीय लंबा इंतजार करना पड़ा था। वहीं दूसरे स्थान पर भारत के महानतम बल्लेबाजों में से एक, सुनील गावस्कर का नाम आता है। गावस्कर ने अपने पहले एकदिवीसय शतक के लिए 4858 दिनों का लंबा समय लिया था, जो उनकी एकदिवसीय करियर की शुरुआत के काफी बाद आया। इसके ठीक बाद श्रीलंका को विश्व विजेता बनाने वाले पूर्व कप्तान अर्जुन राणातुंगा का नंबर आता है, जिन्होंने 4674 दिनों के बाद अपनी पहली वनडे सेंचुरी बनाई थी। अब हशमतुल्लाह शाहिदी 4644 दिनों के इंतजार के बाद इस अत्यंत विशिष्ट और ऐतिहासिक एलीट क्लब के चौथे सदस्य के रूप में शामिल हो गए हैं। उनके ठीक पीछे इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन हैं, जिन्होंने अपने पहले शतक के लिए 4639 दिन लिए थे।

एक ही गलती दोहराने के कारण शतक नहीं लगा पा रहे वैभव

मुम्बई ,एजेसीं। भारतीय क्रिकेट टीम के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पदार्पण के बाद से ही अपने शानदार प्रदर्शन से छाये हुए हैं पर लगातार एक गलती दोहराने के कारण अपना शतक पूरा नहीं कर पा रहे हैं। अब तक वह चार बर शतक के करीब आकर भी उसे बनाने में विफल रहे हैं। जिससे प्रशंसक भी निराश हैं। भारत ए टीम की ओर से श्रीलंका दौरे में भी वैभव ने यही गलती की है। इससे 94 रनों पर पहुंचने के बाद भी वह शतक नहीं लगा पाये। इसका कारण उनमें धैर्य की कमी को माना जा रहा है। वैभव अगले माह होने वाले इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे के लिए सीनियर टीम में शामिल किये गये हैं। ऐसे में प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि वह एक ही गलती अब नहीं करेंगे। वैभव ने हाल ही में श्रीलंका दौरे पर त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में केवल 29 गेंदों में ही 94 रनों की आतिशी पारी खेली थी जिससे सभी हैरान हो गये थे। इस आक्रामक पारी के बाद भी वैभव शतक के बेहद करीब पहुंचकर भी उसे पूरा नहीं कर पाये। इससे एक बार फिर दिखा कि वह शतक के करीब जाकर गलती कर जाते हैं। श्रीलंका ए के खिलाफ हुए उस फाइनल मुकाबले में वैभव ने पहली गेंद से ही आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने केवल 11 गेंदों में ही अपने 50 रन पूरे कर लिए। 64 रन तक पहुंचने तक वैभव ने एक भी सिंगल नहीं लिया, जो यह संकेत दे रहा था कि वह एक बड़े शतक की ओर बढ़ रहे हैं पर एक बार फिर इस बल्लेबाज ने वही पुरानी गलती दोहराई जिससे वह शतक से केवल 6 रन दूर रह गए।

आक्रामक रवैये के चलते वह कब अर्धशतक पूरा कर लेते हैं और कब शतक के करीब पहुंच जाते हैं, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल होता है। हालांकि, यही आक्रामकता कभी-कभी उनके लिए नुकसानदेह साबित होती है, खासकर जब वह बड़ी व्यक्तिगत उपलब्धि के करीब होते हैं। उन्हें शतक के करीब पहुंचकर अपना धैर्य न खोने की कला सीखनी होगी।

रोहित के आलोचकों पर बरसे कैफ, ऐसे लोग चाहते हैं वह विफल हो जाएं

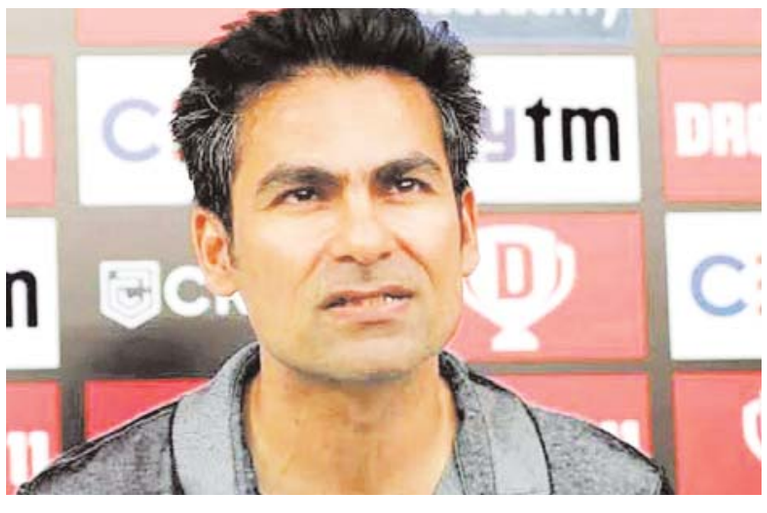

मुम्बई ,एजेसीं। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि कुछ लोग ऐसे हैं तो अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा को असफल होने देखना चाहते हैं जिससे कि उन्हें एकदिवसीय विश्वकप से बाहर करने का अवसर मिल जाये। कैफ के अनुसार रोहित ने अफगानिस्तान के खिलाफ अंतिम एकदिवसीय मैच में 79 रनों की पारी खेलकर साबित कर दिया है कि अभी उनमें काफी क्रिकेट बचा है और वह बड़े स्कोर बनाने में किसी से पीछे नहीं हैं। इसी कारण वह 39 साल की उम्र में भी जमकर रन बना रहे हैं। इस प्रकार जहां एक ओर रोहित अगले साल होने वाल एकदिवसीय विश्वप कप के लिए अपनी दावेदारी पक्की कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर कुछ ऐसे आलोचक भी हैं जो उनकी बढ़ती उम्र का हवाला देकर उन्हें रोकना चाहते हैं। ऐसे लोग नहीं चाहते कि रोहित विश्वकप खेलें। साथ ही कहा कि ऐसे लोगा चाहते हैं कि रोहित असफल हो जाएं जिससे उन्हें बाहर करने का अवसर मिल जाये।

वहीं रोहित ने अपनी पिछली 10 पारियों में एक शतक, दो बार 75 या उससे अधिक रन, एक 57 रनों की पारी और एक 48 रनों की पारी खेली है, जो उनकी बेहतरीन लय को दिखाती है जबकि आलोचक एक पारी में विफल होने पर ही इनके खिलाफ अभियान चलाना शुरु कर देते हैं। कैफ ने कहा कि चयन का पैमान उम्र नहीं, बल्कि फॉर्म होनी चाहिए। विशेष रुप से रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के मामले में। ये दोनों ही खिलाड़ी अब टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं और केवल एकदिवसीय क्रिकेट ही खेल रहे हैं।

कैफ ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए लिखा, सच में समझ नहीं आता कि इतने सारे लोग क्यों चाहते हैं कि रोहित विफल हो जाएं। उन्होंने जिस तरह से विपरीत हालातों का सामना किया है, वह प्रशांसा के योग्य है। कैफ ने रोहित की पिछली उपलब्धियों को भी याद दिलाया, जिसमें चैंपियंस ट्रॉफी में भारत को जीत दिलाना, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के खिलाफ रन बनाना और अब अफगानिस्तान के खिलाफ 79 रनों की पारी शामिल है। उनका मानना है कि एक दो छोटे स्कोर को लेकर ये नहीं कहा जा सकता है कि उनका समय पूरा हो गय है। कैफ ने क्रिकेट प्रशंसकों से अपील की कि उन्हें प्रार्थना करनी चाहिए कि रोहित 2027 एकदिवसीय विश्वकप में भी अपने फॉर्म को बनाये रखें, गौरतलब है कि चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले भी उनकी फॉर्म और फिटनेस पर सवाल उठे थे पर उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन कर टीम को जीत दिलायी। इसके बाद भी हैरानी की बात है कि उन्हें कप्तानी से बाहर कर दिया गया। वहीं अब कहा जा रहा टीम में भी उन्हें नहीं रखा जाना चाहिये। इसके बाद भी रोहित ने सभी प्रकार के दबावों को पीछे छोड़ते हुए फिटनेस बनाने के साथ ही प्रदर्शन को भी बेहतर कर विश्वकप के लिए मजबूत दावेदारी की है।

अधिकारी पदीय दायित्व का जिम्मेदारी से निर्वहन करें : कमिश्नर

अधिकारी रीवा को अपना मानकर उसके विकास में योगदान दें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा संभाग के नवागत कमिश्नर शीलेन्द्र सिंह ने पद्भार ग्रहण करने के बाद संभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की बैठक में कमिश्नर सिंह ने कहा कि सभी अधिकारी पदीय दायित्व का जिम्मेदारी से निर्वहन करें शासन की योजनाओं और कार्यक्रमों को प्रभावी रूप से लागू करें शासकीय कार्य में किसी भी तरह की कठिनाई आने पर अवगत कराएं विभागीय कार्यों के लिए शत-प्रतिशत उपलब्धि का लक्ष्य तय करें सभी अधिकारी रीवा को अपना मानकर उसके विकास में योगदान दें तय समय सीमा में निर्माण कार्यों का पूरा होना और विभागीय लक्ष्यों की पूर्ति भी संभाग प्रदेश और देश के विकास में योगदान है। आमजनता की कठिनाईयों को दूर करने के लिए तत्परता से कार्यवाही करें उत्तरदायित्वों के निर्वहन में लापरवाही सहन नहीं की जाएगी बैठक में कमिश्नर ने कहा कि 25 जून को मुख्य सचिव महोदय द्वारा निर्धारित एजेण्डा बिन्दुओं में वीडियो कान्फ्रेंसिंग से समीक्षा की जाएगी बैठक के एजेण्डा बिन्दुओं से जुड़ी जानकारी प्रस्तुत करें स्वास्थ्य सूचकांकों में सुधार शिशु मृत्यु दर तथा मातृ मृत्यु दर में नियंत्रण एवं बच्चों का पोषण स्तर बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग समन्वय से प्रयास करे सभी गर्भवती महिलाओं का समय पर अनिवार्य रूप से पंजीयन तथा नियमित जाँच सुनिश्चित करें। संयुक्त संचालक कृषि किसानों की मांग के अनुसार खाद और बीज की आपूर्ति कराएं किसी भी जिले में खाद की कमी न रहे। संयुक्त संचालक पेंशन सभी लंबित पेंशन प्रकरणों का निराकरण कराएं सेवानिवृत्त के दिन ही शासकीय सेवक पीपीओ जारी हो सके ऐसी व्यवस्था करें संयुक्त संचालक पशुपालन कामधेनु योजना, रधारा योजना तथा पशुओं के टीकाकरण की रिपोर्ट प्रस्तुत करें। सभी पशुओं को समय पर टीके लगवाएं बैठक में कमिश्नर ने कहा कि जल जीवन मिशन के कार्यों की नियमित समीक्षा की जाएगी समूह नलजल योजनाओं का कार्य तय समय सीमा में पूरा कराकर हर घर में नल से पानी की आपूर्ति कराएं। निर्माण कार्यों तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में देरी राष्ट्रीय क्षति है संयुक्त संचालक शिक्षा स्कूलों और छात्रावासों की व्यवस्थाओं में सुधार कराएं कक्षा आठवीं के बाद के सभी विद्यार्थियों को प्रतिदिन प्रार्थना के बाद कॅरियर मार्गदर्शन दें। इससे विद्यार्थियों की कक्षा में उपस्थिति बढ़ेगी तथा शिक्षा की गुणवत्ता में भी सुधार होगा सिंचाई परियोजनाओं तथा अन्य निर्माण कार्यों मो भू अर्जन की जानकारी दें बैठक में कमिश्नर ने ऊर्जा विभाग में फीडर सेपरेशन आरडीएसएस योजना के क्रियान्वयन तथा मछलीपालन विभाग में केजकल्चर के माध्यम से मछलीपालन को बढ़ावा देने के निर्देश दिए कमिश्नर ने जल गंगा संवर्धन अभियान संबल योजना में मजदूरों के पंजीयन तथा सड़कों के सुधार के संबंध में निर्देश दिए बैठक में समय संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, उपायुक्त राजस्व एलएल अहिरवार तथा अन्य संभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अनुसूचित जाति के कल्याण के कार्यों पर विशेष ध्यान दें : अध्यक्ष

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त कैलाश जाटव ने अनुसूचित जाति के कल्याण के कार्यों की समीक्षा की कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में अध्यक्ष जाटव ने कहा कि शासन की विकास योजनाओं का पूरा लाभ अनुसूचित जाति वर्ग के हितग्राहियों को दें इनके कल्याण के लिए लागू की गई योजना तथा कार्यक्रमों के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दें अनुसूचित जाति छात्रावास की सभी सीटों में अनुसूचित जाति विद्यार्थियों का प्रवेश सुनिश्चित करें जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारी नोडल अधिकारियों के माध्यम से छात्रावासों का हर माह निरीक्षण कराएं। निरीक्षण में किसी भी तरह की कमी पाए जाने पर उसे तत्काल दूर करने का प्रयास करें छात्रावास में विद्यार्थियों को रहने भोजन साफ-सफाई, प्रकाश और पठन-पाठन की अच्छी सुविधा मिलना आवश्यक है अनुसूचित जाति आयोग संवैधानिक और वैधानिक निकाय है प्रत्येक अधिकारी को आयोग द्वारा वांछित जानकारी उपलब्ध कराना अनिवार्य है आयोग को सिविल न्यायालय तथा योजनाओं की समीक्षा करने की शक्तियाँ प्राप्त हैं बैठक में अध्यक्ष जाटव ने कहा कि स्कूल और कालेज में प्रवेश लेने के बाद अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति के आवेदन पत्र तत्काल भरवाएं। कोई भी विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित न रहे छात्रावासों में उपयोग के लिए खरीदी गई सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए नि:शुल्क कोचिंग की व्यवस्था कराकर प्रतिभाशाली बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर दें अग्रणी बैंक प्रबंधक विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं में बैंकों को भेजे जा रहे प्रकरणों का समय पर निराकरण कराएं अनुसूचित जाति के हितग्राहियों को सहानुभूतिपूर्वक ऋण और अनुदान का वितरण कराएं स्वरोजगार के प्रकरण उचित कारण होने पर ही निरस्त करें जिला संयोजक अनुसूचित जाति बहुल बस्तियों का सर्वेक्षण कराएं इनमें जहाँ आवश्यक हो वहाँ पेयजल तथा सड़क की व्यवस्था करें।

मछलीपालन केज स्थापना के लिए 30 जून तक आवेदन आमंत्रित, तकनीक से मिलेगा बढ़ावा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मछलीपालन विभाग द्वारा मछलीपालक किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए बड़े जलाशयों में केज एक्वाकल्चर स्थापना हेतु 30 जून तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस योजना का उद्देश्य मछलीपालन को अधिक लाभकारी और तकनीकी रूप से उन्नत बनाना है आधुनिक तकनीक से मछलीपालन को बढ़ावा उप संचालक मछलीपालन डॉ. अंजना सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश एकीकृत मत्स्योद्योग नीति 2026 के तहत विभागीय जलाशयों एवं पंचायत राज संस्थाओं के अधीन जलाशयों में आधुनिक तकनीक से मछलीपालन को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके अंतर्गत केज एक्वाकल्चर, एक्वाकोनिक्स, इंटीग्रेटेड फिश फार्मिंग तथा इको टूरिज्म यूनिट के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं उद्यमियों और किसानों को मिलेगा लाभ इस योजना में युवा उद्यमियों एवं मछली पालकों को बैकवर्ड तथा फार्मर लिंकेज का लाभ भी प्रदान किया जाएगा जिससे उन्हें बाजार से बेहतर जुड़ाव मिल सके। विभाग का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ना और आय के नए स्रोत विकसित करना है आवेदन प्रक्रिया और जानकारी केजकल्चर स्थापना के लिए इच्छुक आवेदक डीपीआर तैयार कर आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपने जिले के सहायक संचालक मछलीपालन कार्यालय में 30 जून तक आवेदन कर सकते हैं योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाइट [www.mpfisheries.gov.in](httpÑ//www.mpfisheries.gov.in) पर भी उपलब्ध है अधिकारियों के अनुसार आधुनिक तकनीक से किया गया मछलीपालन एक अत्यंत लाभदायक व्यवसाय है, जिससे उद्यमी बेहतर आय अर्जित कर सकते हैं।

रीवा नगर निगम के चारों जोनों में पीएम स्वनिधि योजना के विशेष शिविर, 319 आवेदन प्राप्त

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर पालिक निगम रीवा द्वारा लोक कल्याण मेला के अंतर्गत प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के तहत चारों जोनों में विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों का उद्देश्य पथ विक्रेताओं को योजना से जोड़कर उन्हें आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है निगम आयुक्त अक्षत जैन के निर्देश पर 12 जून से 22 जून 2026 तक नगर निगम के सभी जोनों में विशेष अभियान चलाया गया इस दौरान निगम अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने क्षेत्र भ्रमण कर पथ विक्रेताओं को प्रेरित किया तथा उन्हें पंजीयन और दस्तावेज सत्यापन के लिए जागरूक किया 22 जून को आयोजित शिविरों में कुल 319 आवेदन प्राप्त किए गए, जिनकी प्रक्रिया मौके पर ही पूर्ण कराई गई शिविरों के दौरान जोन क्र. 01 में 35 आवेदन, जोन क्र. 02 में 139 आवेदन, जोन क्र. 03 में 75 आवेदन तथा जोन क्र. 04 में 70 आवेदन प्राप्त हुए। इस प्रकार चारों जोनों में कुल 319 आवेदन दर्ज किए गए। इन आवेदनों में 15 हजार रुपये से लेकर 50 हजार रुपये तक के ऋण तथा क्रेडिट कार्ड से संबंधित आवेदन शामिल हैं अधिकारियों के अनुसार पीएम स्वनिधि योजना का उद्देश्य शहरी पथ विक्रेताओं को बिना गारंटी के ऋण उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। योजना के माध्यम से छोटे व्यवसायियों को अपने कारोबार को बढ़ाने का अवसर मिल रहा है शिविरों के दौरान नगर निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भागीदारी निभाई और पात्र हितग्राहियों को योजना की जानकारी देकर आवेदन प्रक्रिया पूरी कराई। अधिकारियों ने बताया कि आगामी दिनों में भी इस तरह के शिविर जारी रहेंगे ताकि अधिक से अधिक हितग्राही योजना का लाभ उठा सकें नगर निगम प्रशासन ने कहा कि लोक कल्याण मेला के माध्यम से शहरी गरीबों और पथ विक्रेताओं को योजनाओं से जोड़ने का यह प्रयास लगातार जारी रहेगा, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया जा सके।

शांति और सौहार्द के साथ मनाएं मोहर्रम का त्योहार : अपर कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर पीके पाण्डेय ने कहा कि आगामी 26 जून को शांति और सौहार्द के साथ मोहर्रम त्योहार मनाएं। त्योहार में निकलने वाले जुलूस मार्ग में साफ-सफाई कराएं मस्जिदों में पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करें। सड़कों में आवश्यक सुधार कराएं जिससे जुलूस निकालने में किसी तरह की परेशानी न हो जुलूस के मार्ग में आवश्यक सुरक्षा बल तैनात रहेंगे जुलूस निकालने वाले भी व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें मोहर्रम के दौरान कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त बल तैनात रहेगा। जुलूस में धारदार हथियारों और अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन न करें आमजन की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानूनों का पालन करते हुए जुलूस निकालें जुलूस परंपरागत रूप से निर्धारित मार्गों से ही निकालें सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस बल को सहयोग करें बैठक में एसडीएम एपी द्विवेदी, एडिशनल एसपी शशिकांत सरयाम तथा शांति समिति के सदस्य एवं मोहर्रम कमेटी के सदस्य उपस्थित रहे।

नवागत कमिश्नर सिंह ने किया पद्भार ग्रहण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नवागत कमिश्नर शीलेन्द्र सिंह ने आज कमिश्नर कार्यालय पहुंचकर पद्भार ग्रहण किया सिंह इसके पूर्व नगरीय प्रशासन में पदस्थ थे कमिश्नर सिंह 2010 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं सिंह ने छिंदवाड़ा, छतरपुर तथा नर्मदापुरम जिलों में कलेक्टर सहित विभिन्न प्रशासनिक पदों पर कार्य किया है। पद्भार ग्रहण करने के बाद कमिश्नर सिंह ने कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया। कमिश्नर ने कहा कि कार्यालय को साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखें। पुराने रिकार्ड अभिलेखागार में संधारित कराएं। नस्तियों को व्यवस्थित रखें आमजनता से प्राप्त आवेदन पत्रों का तत्परता से निराकरण करें कमिश्नर ने निरीक्षण के अनुपस्थित कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस देने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण की प्रत्येक 15 दिवस में समीक्षा की जाएगी सभी राजस्व अधिकारी लंबित प्रकरणों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें निरीक्षण के समय संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, उपायुक्त राजस्व एलएल अहिरवार तथा अन्य अधिकारी उनके साथ रहे।

रीवा नगर निगम आयुक्त की टीएल बैठक में सख्त निर्देश, जल प्रदाय, सीवर और मानसून तैयारियों की हुई समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर पालिक निगम रीवा में सोमवार को आयोजित टीएल बैठक में निगम आयुक्त अक्षत जैन ने विभिन्न विभागीय कार्यों सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों अतिक्रमण बिल्डिंग परमिशन वर्षाकाल पूर्व तैयारियों तथा जनहित से जुड़े मामलों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्यों में गुणवत्ता और समयसीमा का विशेष ध्यान रखा जाए जल प्रदाय और सीवर कार्यों की समीक्षा निगमायुक्त ने जल प्रदाय एवं सीवर लाइन कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों, फील्ड उपयंत्रियों एवं पीडीएमसी को निर्देशित किया कि वे पिछले छह माह में किए गए कार्यस्थलों का पूर्ण फील्ड निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि 100 प्रतिशत रिस्टोरेशन हुआ है या नहीं। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर कार्य पूर्ण हो चुके हैं, वहां सड़कें पूरी तरह मोटरेबल स्थिति में हों साथ ही प्रगतिरत कार्यों में पर्याप्त संसाधन लगाकर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए ताकि गड्ढों और जलभराव की स्थिति न बने मानसून पूर्व तैयारियों पर जोर आयुक्त ने मानसून को देखते हुए कंट्रोल रूम के माध्यम से तैनात कर्मचारियों को सक्रिय रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी अपने कार्यक्षेत्र में उपस्थित रहकर दायित्वों का निर्वहन करें और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें। साथ ही दैनिक उपस्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने और शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग कर शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए गए उन्होंने मौसम विभाग से समन्वय कर नदी जलस्तर की नियमित निगरानी करने बानसागर डैम और नहर के डिस्चार्ज प्वाइंट्स पर सतत नजर रखने के निर्देश भी दिए ताकि अतिवृष्टि की स्थिति में समय रहते आवश्यक कदम उठाए जा सकें नाला सफाई और अतिक्रमण पर सख्ती बैठक में नाला गैंग द्वारा नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, साथ ही चोकिंग पॉइंट्स की स्थिति न बनने देने पर जोर दिया गया।

अनुसूचित आयोग के अध्यक्ष ने ग्रामीण विकास तथा नगरीय निकाय के कार्यों की समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष कैलाश जाटव ने ग्रामीण विकास विभाग तथा नगर निगम रीवा निकाय अंतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग के हितों से संबंधित कल्याणकारी योजनाओं, सुविधाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में अनुसूचित जाति वर्ग के हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित किए जाने की स्थिति की विस्तार से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। समीक्षा के दौरान उन्होंने हितग्राही मूलक योजनाओं के अंतर्गत लाभान्वित अनुसूचित जाति वर्ग के हितग्राहियों की जानकारी ली तथा पात्र व्यक्तियों तक योजनाओं का लाभ प्रभावी रूप से पहुंचाने के निर्देश दिए। सामान्य प्रशासन विभाग की समीक्षा करते हुए कर्मचारियों की भागीदारी एवं समान कार्य के लिए समान वेतन संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी भी प्राप्त की अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग सहित अधिक से अधिक पात्र पथ विक्रेताओं को लाभान्वित करने पर बल दिया उन्होंने अधिकारियों को समाज के लोगों को योजना के प्रति जागरूक एवं प्रेरित कर अधिकाधिक हितग्राहियों को ऋण सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए आयोग के अध्यक्ष ने स्लम बस्तियों में एमआईसी की बैठक आयोजित करने का नवाचार अपनाने का सुझाव दिया, जिससे अनुसूचित जाति एवं वंचित वर्गों की समस्याओं को उनके बीच पहुंचकर समझा जा सके तथा उनका त्वरित निराकरण सुनिश्चित हो सके नगर निगम के आश्रय स्थल एवं रविन्द्र भवन में व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित रखें। सफाई मित्रों एवं स्वास्थ्य मित्रों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और सभी को पीपीई किट उपलब्ध कराएं तथा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराएं उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अनुसूचित जाति बहुल बस्तियों एवं स्लम क्षेत्रों में विशेष ध्यान दिया जाए तथा वहां निवासरत नागरिकों को पेयजल, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था सहित सभी मूलभूत सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों की प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की। बैठक के दौरान उपायुक्त प्रकाश द्विवेदी, कार्यपालन यंत्री राजेश सिंह, सहायक आयुक्त रामनरेश तिवारी एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

पूरी गरिमा के साथ मनाया जाएगा मोहर्रम : अपर कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई बैठक में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी ने कहा कि आगामी 26 जून को पूरी गरिमा के साथ मोहर्रम त्योहार मनाया जाएगा इस त्योहार में निकलने वाले जुलूसों के मार्ग में नगर निगम तत्काल साफ-सफाई कराए। मस्जिदों में पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करें। सड़कों में आवश्यक सुधार कराएं जिससे जुलूस निकालने में किसी तरह की परेशानी न हो। रीवा में परंपरागत रूप से सभी त्योहार सद्भाव और समन्वय से मनाए जाते हैं इस परंपरा को बनाए रखें जुलूस के मार्ग में आवश्यक सुरक्षा बल तैनात रहेंगे जुलूस निकालने वाले भी व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा ने कहा कि मोहर्रम के दौरान कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त बल तैनात रहेगा जुलूस में धारदार हथियारों और अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन न करें अखाड़े निर्धारित स्थलों पर बिना हथियार के करतब दिखा सकते हैं आमजन की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानूनों का पालन करते हुए जुलूस निकालें। आवश्यक होने पर वाहनों को डायवर्ट करके जुलूस के निकलने की व्यवस्था की जाएगी जुलूस परंपरागत रूप से निर्धारित मार्गों से ही निकालें सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस बल को सहयोग करें। बैठक में जुलूस के मार्ग में सराफा गली, प्रकाश चौराहा, फोर्ट रोड, गुलबसिया चौराहा तथा रानी तालाब मार्ग में सड़क सुधार का सुझाव दिया गया। बैठक में डिप्टी कलेक्टर आरके सिन्हा, संबंधित अधिकारी तथा शांति समिति के सदस्य एवं मोहर्रम कमेटी के सदस्य उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।